हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 27 जुलाई, 2025

तापमान
अधिकतम 37 .5 डिग्री
न्यूनतम 24 .8 डिग्री

12 सीईटी परीक्षा के पहले दो चरणों में 5940 ने दी परीक्षा

12 युवाओं में बढ़ रही है आक्रामकता : डा. अनुपमा

देश-विदेश से कुरुक्षेत्र आने वाले पर्यटकों को विशेष बस से कराएंगे तीर्थ स्थलों के दर्शन

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने शहर में तीर्थों के दर्शन के लिए बस सेवा को दी हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज. कुरुक्षेत्र

■ तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाने के लिए गाइड की व्यवस्था भी की जाएगी।

पानीपत। तीर्थों के दर्शन के लिए बस सेवा को हरी झंडी देते पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा। *फोटो : हरिभूमि*

भ्रमण हेतु हरी झंडी देकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र दर्शन बस सेवा का शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा कई वर्ष पहले शुरू किया गया था।

अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार कुरुक्षेत्र दर्शन बस सेवा को तीर्थों के हिसाब से अलग-अलग फेस में शुरू किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि थानेसर शहर के तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाने के लिए केडीबी द्वारा जो बस सेवा शुरू की है वह सराहनीय कदम है। इससे कुरुक्षेत्र के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और तीर्थों के आस-पास लोगों को आर्थिक रूप से भी मजबूती मिलेगी। इन प्रयासों के सफल होने के बाद केडीबी द्वारा एक या दो बसों की शैटल सेवा भी शुरू की जाएगी। यह बस सुबह 8:30 बजे से लेकर सांय 4:30 बजे तक चलेगी और थानेसर शहर के पवित्र तीर्थों के दर्शन करवाएगी। केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र दर्शन बस सेवा को अलग-अलग फेस में शुरू किया जा रहा है। इस 48 कोस के सभी तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाने के लिए विशेष बस शुरू की जा रही है। केडीबी का प्रयास है कि पर्यटकों को प्रत्येक तीर्थ के दर्शन करवाए जाए और पर्यटक अपने समय अनुसार दर्शन करे इसलिए तीर्थों के दर्शन करवाने के लिए अलग-अलग चरण भी तय किए गए है। केडीबी के सीईओ पंकज सेतिया ने कहा कि कुरुक्षेत्र दर्शन बस सेवा के तहत अब चिटटा मंदिर ब्रह्मसरोवर, गीता ज्ञानम संस्थान, छठी पातशाही, इस्कॉन मंदिर, ज्योतिसर तीर्थ, नरकातारी सहित ब्रह्मसरोवर व सन्निहित सरोवर जैसे तीर्थ स्थलों का भ्रमण करवाया जाएगा। इन स्थानीय तीर्थों के दर्शन करवाने में करीब 2 घंटे का समय लगेगा। इन तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाने के लिए गाइड की व्यवस्था भी की जाएगी।

ड्रॉ के आधार पर मिलेगी 50 कार्ट

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि अब ब्रह्मसरोवर के आस-पास रेहड़ी और फहडी नजर नहीं आएगी। इन लोगों को अब कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की तरफ से 50 कार्ट उपलब्ध करवाई जाएगी। यह कार्ट सोविनियर और खाने-पीने के सामान के लिए दी जाएंगी। यह कार्ट ड्रॉ के माध्यम से केडीबी द्वारा उपलब्ध करवाई जाएगी। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार को कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड मानद सचिव कार्यालय में ब्रह्मसरोवर के आस-पास रेहडी व फहड़ी लगाने वाले लोगों तथा केडीबी के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक को सम्बोधित किया। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री ने ब्रह्मसरोवर के आस-पास रेहड़ी व फहड़ी लगाने वाले लगभग 150 लोगों से बातचीत की और उन्हें केडीबी की तरफ से उपलब्ध करवाए जाने वाले कार्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस बैठक में फहड़ी और रेहड़ी लगाने वालों ने अपनी सहमति व्यक्त की है। पूर्व राज्यमंत्री ने कहा कि केडीबी को पावर ग्रिड की तरफ से सीएसआर स्कीम के तहत 50 कार्ट उपलब्ध करवाई गई थी। अब इन कार्ट को ड्रॉ के माध्यम से अलॉट कर दिया जाएगा। इसके लिए केडीबी ने आवेदन आमंत्रित कर लिए है और संभावना है कि आगामी 7 दिनों में यह कार्ट रेहड़ी चालकों को उपलब्ध करवा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्ट केडीबी कार्यालय के सामने वाले क्षेत्र में ही लगाए जाएंगे। इसके साथ ही फड़ी लगाने वालों को भी केडीबी कार्यालय के सामने वाले क्षेत्र को चिन्हित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इससे ब्रह्मसरोवर के सौंदर्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा, स्वच्छता बनी रहेगी और कार्ट व फड़ी वालों की आय में भी इजाफा होगा। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने केडीबी की तरफ से नंदा स्मारक परिसर में बनाए गए पर्यटक सूचना केन्द्र का भी अवलोकन किया। यहां पर सभी कक्षों का निरीक्षण कर प्रशिक्षित किए गए गाईड से भी बातचीत की। इस मौके पर केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, केडीबी सीईओ पंकज सेतिया, केडीबी सदस्य अशोक रोशा, डा. ऋषिपाल मथाना, डा. एमके मोदगिल, प्राधिकरण के सदस्य सौरभ चौधरी, केडीबी सदस्य विजय नरूला, पंडित अनिल गौतम, एडवोकेट जसबीर सिंह, सैल्फ हैल्प ग्रुप से ममता सहित आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

हादसे में बाइक सवार की मौत, दोस्त घायल

इसराना। रोहतक-पानीपत हाईवे पर अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार गांव नौल्था निवासी 18 वर्षीय रवि की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त सुरजीत घायल हो गया। दोनों प्राइवेट फैक्ट्री में काम करते थे। दोनों गांव सिवाह स्थित अपने गांव सिवाह निवासी दोस्त से मिलने के लिए घर से बाइक पर निकले थे। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद रवि का शव उसके परिजनों को सौंप दिया।

हमला करने के आरोपी पिता व दो पुत्र गिरफ्तार

पानीपत। थाना पुराना औद्योगिक पुलिस ने इंद्रा कॉलोनी में मां स्वर्णजीत कौर, पुत्र गगनदीप व भतीजे मनदीप पर लाठी, डंडों व रॉड से हमला करने मामले में तीन आरोपियों इंद्रा कॉलोनी निवासी रमेश व इसके बेटे आरोपी पुत्र सावन व सागर को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर देवेंद्र ने बताया कि तीनों आरोपियों ने उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। वहीं इस मामले में फरार आरोपियों शिमला व शीतल को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, इस मामले में विवर्ज कॉलोनी निवासी स्वर्णजीत कौर पत्नी सुरेंद्र की शिकायत पर केस दर्ज है।

गांजा तस्करी का सप्लायर गिरफ्तार

पानीपत। थाना चांदनी बाग पुलिस ने 636 ग्राम गांजा तस्करी मामले में आरोपी सप्लायर गंगापुरी रोड वाल्मीकि बस्ती निवासी सूरज को गिरफ्तार किया है। थाना चांदनी बाग प्रभारी इंस्पेक्टर संदीप ने बताया कि पूछताछ में आरोपी नशा सप्लायर सूरज ने नशा तस्कर आरोपी भारत को 636 ग्राम गांजा कमीशन पर बेचने के लिए देने बारे स्वीकारा। वहीं, इस मामले में थाना चांदनी बाग में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज है।

पुलिस ने दो मादक पदार्थ तस्कर पकड़े

पानीपत। सीआईए श्री पुलिस टीम ने हुडा सेक्टर 24 उझा मोड़ पर दो नशा तस्करों सुमित पुत्र जगदीश निवासी वाल्मीकि बस्ती व प्रदीप पुत्र गणेश निवासी जीवनधारा चंपारण बिहार हाल आठ मरला को 11 किलो 960 ग्राम गांजे सहित गिरफ्तार किया। इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि आरोपी प्रदीप ने बताया वह बरामद गांजा दो दिन पहले बिहार के पटना से खरीद कर लाया था। आरोपी सुमित दिल्ली में एक अज्ञात युवक से खरीदकर लाया था। आरोपी प्रदीप को उसके सहयोगियों को पकड़ने के लिए चार दिन के रिमांड पर लिया है।

सीटू तीन को शिक्षामंत्री आवास का घेराव करेगी

पानीपत। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू जिला कमेटी की बैठक गीता कॉलोनी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान सुनील दत्त ने की और संचालन जिला सचिव जय भगवान ने किया। बैठक को सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव शिवकुमार अहलावत और अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान डॉ. सुरेंद्र मलिक ने भी संबोधित किया। बैठक में मिड डे मील वर्कर्स यूनियन, तीन अगस्त को शिक्षा मंत्री के पानीपत आवास पर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी को लेकर चर्चा हुई।

लिपिक की बहाली को लेकर आंदोलन तेज

अंबाला। लिपिक के निलंबन के बाद अन्य कर्मचारियों को नोटिस देने से नाराज बिजली कर्मचारियों ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। पदाधिकारियों का कहना कि अब वो दो नहीं तीन घंटे के लिए प्रदर्शन करेंगे। अंबाला कैंट यूनिट के अंतर्गत सभी सब यूनिटों में लिपिक के निलंबन के विरोध में 13वें दिन भी दो घंटे का रोष प्रदर्शन जारी रहा। यूनिट प्रधान सतबीर देसवाल ने कहा कि गुरविंदर लिपिक को बहाल नहीं किया गया है। जबकि 4/5 अन्य कर्मचारियों शोकाज नोटिस और चार्जशीट कर दिया गया है।

चार दोस्तों को दर्जनभर लोगों ने मारपीट कर किया घायल

■ पुलिस ने मामले में दर्जन भर लोगों के खिलाफ किया मारपीट का मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के तीर्थ नगर में रंजिश को लेकर हुई मारपीट में पुलिस ने दर्जन भर लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मारपीट में चार दोस्त घायल हो गए। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार तीर्थ नगर निवासी वंश ने सदर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले कॉलोनी के ही कपिल राणा व आशु के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उसके बाद से आरोपी उसे रंजिश रखने लगे। वंश ने बताया कि 24 जुलाई को रात आठ बजे वह अपने तीन दोस्तों के साथ कॉलोनी में ही किसी काम से जा रहा था। इस दौरान आरोपी कपिल राणा व आंसू ने अपने साथियों अंकित, विशाल, मोनू, नितिन, अजय, कार्तिक, सूरज, शाहरुख, प्रिंस व विवेक उर्फ बिल्ला के साथ मिलकर उनको रास्ते में रोक लिया और उन पर तेजधार हथियारों, सरिया व डंडों से हमला कर दिया।

इससे वह सभी घायल हो गए। मारपीट की आवाज सुनकर जब अन्य लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

मंदिर में चोरी करने में सफल न होने पर मूर्ति को किया खंडित, काबू

यमुनानगर। सरस्वती नगर स्थित बाबा सीता राम मंदिर में घुसकर चोरी का प्रयास किया गया। मंदिर की शुद्धता को भी भंग गया। पुलिस ने आरोपी गांव सारण निवासी अक्षय कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बाबा सीता राम मंदिर के पुजारी हरीश चंद्र ने बताया कि मंदिर में घुसकर एक युवक ने चोरी का प्रयास किया है। आरोपी ने मंदिर में रखे दानपात्र को उखाड़ने का प्रयास किया गया। जब वह कामयाब नहीं हुआ तो उसने मंदिर में रखी प्रतिमाओं को खंड़ति कर दिया। इसके साथ ही मंदिर परिसर में गंदगी फैलाई। जांच करने पर पता चला कि गांव सारण निवासी अक्षय कुमार ने मंदिर में चोरी करने का प्रयास किया है। पुलिस ने शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

लाखों रुपये की हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

■ पुलिस ने आरोपी से बरामद की 25 लाख रुपये कीमत की 507 .3 ग्राम हेरोइन

■ जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा वन ने आरोपी को गिरफ्तार करने में हासिल की सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। लाखों रुपये की हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया आरोपी नशातस्कर। *फोटो : हरिभूमि*

जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा वन ने करीब 25 लाख रुपये कीमत की 507.3 ग्राम हेरोइन के साथ एक नशातस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

उप पुलिस अधीक्षक रजत गुलिया ने बताया कि पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के निर्देशानुसार जिले में नशातस्करों पर शिकंजा कसने के लिए कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी कार्रवाई के तहत जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा वन के प्रभारी एसआई राज कुमार के नेतृत्व में एसआई राहुल, एएसआई सुखदेव सिंह, मुंशी अवतार सिंह, बृजपाल, अमरजीत सिंह व मनीष कुमार, सिपाही पवन कुमार और सिपाही प्रमोद कुमार को शामिल कर टीम का गठन किया गया है। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यमुनानगर सहारनपुर बार्डर क्षेत्र में यमुना नदी पुल से एक मोटरसाइकिल सवार को संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए हिरासत में लिया। इस दौरान आरोपी की तलाशी ली गई तो उसके पास से करीब 25 लाख रुपये कीमत की 507.3 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान यूपी के जिला सहारनपुर के गांव नथमलपुर निवासी शमशेर उर्फ कल्लू के रुप में हुई। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर ले लिया।

नेटवर्क खंगाला जाएगा

पुलिस उप अधीक्षक रजत गुलिया ने बताया कि रिमांड के दौरान आरोपी से उसके नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ की जाएगी। वहीं, आरोपी से पता लगाया जाएगा कि वह हेरोइन कहां से लेकर आता है और किसे सप्लाई करता है। मामले में संलिप्त लोगों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निर्माणाधीन रेलवे पुल के पैनल गिरे, रोलर चालक बचा

समालखा। पानीपत के गांव मनाना में निर्माणाधीन रेलवे पुल के पैनल चौथी बार गिर गए। हादसे में इस बार करीब 50 मीटर में पैनल गिरे साथ ही ऊपर काम कर रहे रोलर चालक रोलर सहित नीचे गिर गए। इस दौरान रोलर चालक ने कूद कर जान बचाई। इस दौरान मनाना के ग्रामीणों ने सरकार और पीडब्ल्यूडी विभाग अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी कर रोष प्रदर्शन किया किया। ग्रामीण आजाद राठी, विनोद, चांद, विक्की व पालेराम आदि ने बताया कि पुल निर्माण में ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी अधिकारी मौके पर आकर नहीं देखते। सरपंच अपनी जिम्मेदारी नहीं समझती। किसी बड़े हादसे की सरकार बांट देख रही है। चौथी बार रेलवे पुल का गिरना सरकार की नाकामी को दर्शाता हैं। यही नहीं सन 2023 में पुल निर्माण कार्य पूरा होना चाहिए था पर सन 2025 आधा बीत जाने के बाद भी पुल के हिस्से टूट टूट कर गिर रहें हैं। पुल दूसरी ओर से गिरता तो बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों ने अपनी मांग रखते हुए कहा कि ठेकेदार का कन्टेरेक्ट कैंसिल कर किसी अनुभवी कंपनी से पुल का निर्माण कराया जाए। पुल के निर्माण में अच्छी सामग्री का प्रयोग कर समय रहते कार्य कराया जाए। वहीं पीडब्ल्यूडी विभाग एसडीओ शैलेंद्र भटिया ने कहा कि पुल की टेस्टिंग जारी है। जहां भी दिक्कत महसूस होती है वहां से तोडक़र दोबारा निर्माण करवाया जा रहा है। वहीं विधायक मनमोहन भड़ाना ने बताया कि मनाना रेलवे पुल को लेकर केंद्रीय मंत्री व करनाल सांसद मनोहरलाल को दिशा की बैठक के दौरान लिखित व मौखिक शिकायत दी है तथा पुल निर्माण को जल्द से जल्द पूरा करवाने की मांग रखी।

पानीपत। गांव मनाना निवासी प्रदर्शन करते हुए।

जनसूई नहर से मिले दो शव, पहचान नहीं

अंबाला। जनसुई नहर से पुलिस को दो युवकों के शव बरामद हुए हैं। सुबह 11 बजे नग्गल थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि टांगरी नदी के पुल के पास जनसुई नहर में शव तैर रहे हैं। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दोनों शवों को बाहर निकलवाया। पुलिस ने बताया कि शव करीब 10 दिन पुराने लग रहे हैं। इसके साथ ही दोनों शवों के पास से किसी भी प्रकार का पहचान पत्र नहीं मिला है। जांच अधिकारी टेकम सिंह ने बताया कि फिलहाल दोनों शवों को सिटी नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है।

परीक्षार्थियों की गाड़ियां आपस में टकराई

समालखा। जीटी रोड पर सीईटी का शाम की शिफ्ट का पेपर देने जा रहे परीक्षार्थियों की एक के बाद एक लगातार आधा दर्जन गाड़ियां आपस में टकरा गई। जिससे नेशनल हाइवे पर लंबा जाम लग गया। हादसे की सूचना पर ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज कुलदीप कादियान और समालखा चौकी पुलिस इंचार्ज जितेंद्र आंतिल ने मौके पर पहुंचकर ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त कराया।

इस दौरान ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज कादियान ने मौके पर दूसरी गाड़ी की व्यवस्था कर परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्र की ओर रवाना किया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। सीईटी का पेपर देने जा रहे सोनीपत निवासी चालक सुजीत ने बताया कि आगे चल रही एक अन्य गाड़ी चालक ने अचानक से ब्रेक लगा दिए जिस वजह से करीब छह गाडिय़ां एक के बाद एक आपस में टकरा गई। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। वहीं गौरव गन्नौर निवासी ने बताया कि पेपर देने के लिए कुरुक्षेत्र जा रहे थे। समालखा फलाई ओवर पर ब्लूजे के सामने पहुंचे तो अचानक से अगली गाड़ी वाले ने ब्रेक लगा दिए। जिससे हमारी गाड़ी अगली गाड़ी से टकरा गई और पीछे से एक दूसरी गाड़ी ने हमारी गाड़ी में दे मारी।

पानीपत। समालखा में हादसे की जांच करते हुए पुलिस।

कब्रों से बिखरे मिले अवशेष, मुस्लिम समुदाय ने जताया विरोध

खुदाई करने पर आधा दर्जन से अधिक कब्रें क्षतिग्रस्त

■ कब्रिस्तान में दीवार बनाने के लिए जेसीबी से की गई खुदाई

■ पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को किया शांत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। गांव दौलतपुर में कब्रिस्तान से कब्रों की खुदाई के बाद ग्रामीणों को समझते पुलिस अधिकारी।

गांव दौलतपुर स्थित कब्रिस्तान में दीवार बनाने को लेकर जेसीबी द्वारा की गई खुदाई से आधा दर्जन से अधिक कब्रें क्षतिग्रस्त हो गई।

शुक्रवार को नमाज के बाद जब मुस्लिम समुदाय के लोग कब्रिस्तान में पहुंचे तो उन्हें कब्रों से शव के अवशेष बिखरे मिले, जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सदर यमुनानगर थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने लोगों को समझ कर शांत किया। गांव दौलतपुर में शुक्रवार शाम को गांव के लोग कब्रिस्तान के पास नमाज अदा कर रहे थे। नमाज के बाद जैसे ही कुछ लोग कब्रिस्तान के अंदर गए तो उन्होंने देखा कि कई कब्रें खुदी हुई हैं और मिट्टी बिखरी पड़ी है। कुछ जगहों पर शवों के अवशेष जमीन के ऊपर भी पड़े हैं। यह दृश्य देखकर ग्रामीण स्तब्ध रह गए और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। गांववासी इरशाद अली ने कहा कि शरारती तत्वों ने जेसीबी के जरिए कब्रें खुदवाईं और जानबूझकर शवों से छेड़छाड़ की गई है। इस घटना को उन्होंने धार्मिक भावनाएं भड़काने की साजिश बताया है। सूचना मिलने पर थाना यमुनानगर सदर से प्रभारी इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने ग्रामीणों को शांत करने की कोशिश की और आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस द्वारा कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीण शांत हुए।

क्या कहते हैं थाना प्रभारी

सदर यमुनानगर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि घटना की जांच कराई जा रही है। पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और जेसीबी मशीन के मालिक का भी पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में नगर निगम के अधिकारियों से बात की जाएगी। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

युवक ने शादी का झांसा देकर महिला का यौन शोषण किया

■ आरोपी ने शादी करने से किया मना, पुलिस ने आरोपी व एक अन्य के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में युवक ने शादी का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने उसे शादी करने से मना कर दिया।

आरोप है कि आरोपी ने किसी दूसरी लड़की से शादी कर ली और उसकी छोटी बच्ची को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक व एक अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांधीनगर थाना क्षेत्र की एक कालोनी निवासी 30 वर्षीय महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पहले पति से अनबन के चलते तलाक हो गया था। इसके बाद वह गगन नामक युवक के संपर्क में आई। आरोपी ने उसे अपनी बातों में उलझा लिया और उसे शादी करने के लिए कहने लगा। वह भी आरोपी की बातों में आ गई। इसके बाद आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने उसका शारीरिक शोषण किया। जब उसने आरोपी को शादी करने के लिए कहा तो आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया। बाद में उसे पता चला कि आरोपी ने किसी दूसरी लड़की से शादी कर ली है। इस दौरान आरोपी ने उसकी बच्ची को जान से मारने की धमकी दी। परेशान होकर उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी।

खबर संक्षेप

कारगिल के शहीदों को सदैव रखा जाएगा याद:हरजीत

रादौर। रोटरी क्लब रादौर द्वारा शनिवार को कस्बा में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर क्लब के प्रधान हरजीत सिंह सैनी समेत क्लब के सदस्यों ने कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। क्लब के प्रधान हरजीत सिंह सैनी ने बताया कि कारगिल युद्ध के शहीद जवानों की याद में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि भेंट की गी। वहीं, राजस्थान के झालावाड़ जिले पिपलोदी गांव में सरकारी स्कूल की इमारत गिरने से हुई सात मासूम बच्चों की मौत पर गहरा दुख प्रकट किया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में 22 वर्षीय महिला घर से लापता

यमुनानगर। शहर यमुनानगर थाना क्षेत्र कीएक कॉलोनी से 22 वर्षीय महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। उसका एक वर्ष पहले ही निकाह हुआ था। घर से 25 हजार रुपये व मोबाइल भी गायब मिला। पुलिस ने महिला के पति की शिकायत पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार शहर की एक कालोनी निवासी युवक ने शहर यमुनानगर पुलिस को की शिकायत में बताया कि उसका एक साल पहले निकाह हुआ था।

एनवाय एमयूएन 8.0 कार्यक्रम का शुभारंभ

यमुनानगर। दिल्ली पब्लिक स्कूल यमुनानगर में तीन दिवसीय एनवाय एमयूएन 8.0 (मॉडल यूनाइटिड नेशन्स) कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राम निवास गर्ग व प्रधानाचार्या पूर्णिमा वाधवा ने दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूलों के करीब तीन सौ विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। मौके पर बच्चों ने शुभारंभ अवसर पर गणेश वंदना व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जिले में प्रशासन द्वारा परीक्षा के लिए बनाए गए थे 47 परीक्षा केंद्र

केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हुई सामान्य पात्रता की परीक्षा

परीक्षा केंद्रों पर हजारों परीक्षार्थियो ने सुबह और शाम के सत्र में दी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग पंचकूला द्वारा आयोजित की गई सामान्य पात्रता (सीईटी) परीक्षा शनिवार को जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई। परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए जहां प्रशासनिक अधिकारी दिनभर मुस्तैद रहे। वहीं, परीक्षा केंद्रों तक परीक्षार्थियों को लाने और ले जाने में प्रशासन द्वारा कलस्टर केंद्रों से बसों की व्यवस्था की गई। जिससे परीक्षार्थियों को राहत मिली। जबकि परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों पर जैमर भी लगे होने के कारण आसपास के क्षेत्रों में मोबाइलों की नेटवर्किंग भी प्रभावित रही।

यमुनानगर। शनिवार को परीक्षा केंद्रों में प्रवेश के दौरान परीक्षार्थियों के दस्तावेजों की जांच करते हुए वह कलस्टर केंद्र से परीक्षार्थियों को लेकर परीक्षा केंद्र के लिए रवाना होते हुए बस। फोटो : हरिभूमि

सुरक्षा के लिहाज से किए थे पुख्ता इंतजाम

जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर पुख्ता प्रबंध किए हुए थे। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन पूरी तक सतर्क रहा। यातायात के व्यवस्थित संचालन के लिए पुलिस कर्मी विशेष रूप से तैनात किए गए थे। इस दौरान परीक्षा केंद्रों के आसपास पुलिस की कड़ी निगरानी रही। परीक्षा के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

कड़ी निगरानी में हुई परीक्षा

सामान्य पात्रता (सीईटी) परीक्षा जिले में बनाए गए 47 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा निगरानी के बीच हुई। इस दौरान दोनों चरणों में हजारों परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा केंद्रों के अंदर परीक्षार्थियों को अपने मोबाइल, घड़ी आदि अन्य कोई इलैक्ट्रोनिक्स डिवाईस ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। सभी परीक्षा केन्द्रों पर नकल रोकने के लिए जैमर लगाए हुए थे।

शनिवार सुबह से ही विभिन्न जिलों से परीक्षार्थी अलग-अलग परीक्षा केंद्रों पर सीईटी की परीक्षा देने के लिए पहुंचे। जिला में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर सुबह के सत्र में दस बजे से लेकर 11.45 बजे तक परीक्षा हुई। इस दौरान परीक्षा केंद्रों पर सुबह साढ़े सात बजे से ही परीक्षार्थियों का प्रवेश शुरु कर दिया गया था। वहीं, शाम के सत्र में परीक्षा शाम 3.15 बजे से शुरु होकर शाम 5 बजे तक हुई।

मंडल प्रभारियों की सुचारू रूप से की गई नियुक्ति: सपरा

- भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने की जिला के सभी 16 मंडलों के प्रभारियों की घोषणा
- रणधीर राणा को बनाया साढ़ौरा का मंडल प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। जिला पार्टी कार्यालय में मंडल प्रभारियों के नामों की घोषणा करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा।

भारतीय जनता पार्टी ने जिला के सभी 16 मंडलों के प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है। उक्त जानकारी भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने शनिवार को जगाधरी स्थित पार्टी के जिला कार्यालय में आयोजित कार्यकर्ताओं की बैठक में नवनियुक्त प्रभारियों के नामों की घोषणा की।

जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने बताया कि उन्होंने प्रदेश व जिलास्तरीय नेताओं से विचार विमर्श करके जिला के सभी 16 मंडलों के प्रभारियों की सुचारू रुप से नियुक्ति कर दी गई है। उन्होंने बताया कि नवनियुक्त मंडल प्रभारियों में सढौरा मंडल के प्रभारी रणधीर राणा को बानाया गया है। वहीं, बिलासपुर में शालिनी शर्मा, सरस्वती नगर में सुंदरलाल, पाबनी में विनीत कौर, जगाधरी शहरी में जगदीश विद्यार्थी, प्रताप नगर में प्रवीण खदरी, छछरौली में प्रभासागर, जगाधरी ग्रामीण में रामपाल सिंह,यमुना मंडल में अभिषेक अरोड़ा, यमुनानगर मंडल में सुरेंद्र शर्मा, जगाधरी वर्कशॉप मंडल में विभा गुप्ता, बुडिया मंडल में सविता कांबोज, फरकपुर में नरेंद्र राणा, रादौर में विरेन्द्र मुंजाल, नाहरपुर में पूर्व विधायक ईश्वर पलाका व ऊंचा चांदना मंडल में बलराम सैनी को मंडल प्रभारी नियुक्त किया गया है। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने कहा कि सभी नवनियुक्त मंडल प्रभार्यों के मार्गदर्शन में जिला यमुनानगर में भाजपा संगठन और ज्यादा मजबूती से कार्य करेगा।

महिला एवं बाल विकास विभाग दे रहा सुविधाओं की कोथली का उपहार: रंगा

यमुनानगर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में झूलों पर पींग लेते हुए महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

महिला एवं बाल विकास विभाग यमुनानगर द्वारा शनिवार को अखंड सौभाग्य और सुहाग के प्रतीक पर्व हरियाली तीज का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं, पारंपरिक गीतों और फूलों से सजे झूलों की पींग सजाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी मिक्षा रंगा ने झूले पर झूलकर किया। विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी मिक्षा रंगा ने सभी को तीज की बधाई दी। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से महिलाओं और बच्चों के लिए दी जा रही पौष्टिक आहार, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना,आपकी बेटी हमारी बेटी जैसी सुविधाएं तीज पर दी जाने वाली कोथली की भेंट के समान हैं। महिलाओं को न केवल सशक्त बनाया जाए। बल्कि उन्हें परम्परा से भी जुड़े रहना चाहिए।

महिलाओं ने किया सोलह श्रृंगार

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास मिक्षा रंगा ने बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं की विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं कराई गई और फूलों से सजा झूला बनाया गया। झूला पर बैठ कर पारंपरिक गीतों के साथ झूले की पिंग का आनंद लिया। मौके पर पोस्टर स्लोगन से लेकर मेंहदी प्रतियोगिता करवाई गई। महिलाओं द्वारा इस अवसर पर विशेष रुप से बनाए झूले पर बैठकर पिंगों का आनंद लिया। महिलाओं ने सावन माह के गीतों पर जमकर डांस किया। दादी ने अपनी पोती को गोद में लेकर तीज का मंगल गीत गया। वहीं, महिलाओं और जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अपने हाथों पर मेहंदी रचाई गई। मौके पर महिलाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं की शपथ दिलाई गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी मिक्षा रंगा ने बताया की विभाग की ओर से तीज के अवसर पर सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में भी तीज उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी तरविंदर कौर, कुसुम लता, जसविंदर कौर, बालकुंज से नीलम, संरक्षण अधिकारी प्रीती शर्मा, आंचल त्यागी व गौरव शर्मा आदि मौजूद रहे।

निगम क्षेत्र में सतत विकास करना है मुख्य उदेश्य: मेयर

वार्ड 15 में मेयर व विधायक घनश्याम ने 16.98 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास व नारियल फोड़कर किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। वार्ड 15 में विकास कार्यों का शिलान्यास करने के दौरान मेयर सुमन बहमनी का स्वागत करते हुए स्थानीय नागरिक। फोटो : हरिभूमि

नगर निगम यमुनानगर के वार्ड नंबर 15 में निगम की मेयर सुमन बहमनी व विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने 16.98 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास करके व नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। मौके पर मेयर सुमन बहमनी ने अधिकारियों को विकास कार्यों के निर्माण व रिपेयर के कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि हमारा संकल्प निगम के सभी वार्डों का सतत विकास करना है और जनता की सुविधाओं का विस्तार करना है। इसे लेकर नगर निगम द्वारा गंभीरता से हर वार्ड में विकास कार्य किए जा रहे हैं। हर वार्ड में पक्की गलियां, नालियां, सामुदायिक केंद्र व अन्य विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगभग सभी वार्डों में 20 से 25 लाख तक के मरम्मत कार्य होने हैं। इसके लिए भी हमने टेंडर लगाए हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही नगर निगम द्वारा वार्ड 8 में 20.88 लाख रुपये, वार्ड 9 में 20.73 लाख रुपये, वार्ड 10 में 20.78 लाख रुपये, वार्ड 12 में 21.15 लाख रुपये, वार्ड 13 में 21.12 लाख, वार्ड 14 में 18.23 लाख, वार्ड 16 में 21.18 लाख रुपये, वार्ड 17 में 21.18 लाख रुपये, वार्ड 18 में 21.13 लाख रुपये, वार्ड 20 में 21.18 लाख व वार्ड 22 में 21.18 लाख रुपये की लागत से विभिन्न मरम्मत कार्य करवाए जाएंगे। इनके लिए टेंडर जारी किए गए हैं।

देश की वीर सेना पर हर भारतीय को है गर्व : डॉ. पंजेटा

रादौर। रादौर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों व सामाजिक संस्थाओं में शनिवार को कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर सभी स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर नमन किया गया। गुरुकुल खरकाली में आयोजित कार्यक्रम में कारगिल विजय दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। मौके पर वीर शहीदों को नमन किया गया। मौके पर गुरुकुल के चेयरमैन डॉ. अमन पंजेटा ने कहा कि भारतीय सेना ने 26 वर्ष पहले कारगिल में ऑपरेशन विजय चलाकर देश के दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया था। कारगिल युद्ध में 527 जवान शहीद हुए थे। वहीं, 1363 जवान घायल हुए थे। युद्ध में पाकिस्तानी सेना के 700 से अधिक सैनिक मारे गए थे। लेकिन भारतीय सेना ने कारगिल विजय कर देश की आन बान और शान को बरकरार रखा था। हमें अपने देश की वीर सेना पर गर्व है। जिनकी बदौलत हम आज खुले आसमान के नीचे आजादी की सांस ले रहे हैं। हमारे वीर जवान गर्मी, सर्दी, धूप, बरसात में रात दिन देश की सीमाओं की रक्षा करने में लगे हुए हैं। कारगिल युद्ध में दुनिया ने हमारे देश की सेना का लोहा माना। देश की सीमा की रक्षा के लिए जवानों ने अपनी शहादत दी। हमें उस शहादत को बरकरार रखते हुए देश की एकता व अखंडता के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इन शिक्षण संस्थानों में मनाया कारगिल विजय दिवस रादौर के गुरकुल खरकाली के अलावा इंडियन पब्लिक स्कूल,डीएवी पब्लिक स्कूल भारत सीनियर सेकेंडरी स्कूल कंडरौली, राजकीय स्कूल चमरौड़ी, गीता सीनियर सैकेंडरी स्कूल चमरौडी, संजय गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल हरनौल, महाराजा अग्रसेन सीनियर सेकेंडरी स्कूल जठलाना, ग्लोबल इंजीनियरिंग कॉलेज, जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज, जेएमआईईटीईआी इंजीनियरिंग कॉलेज, मुकंदलाल सीनियर सैकेंडरी स्कूल, मुकंदलाल नेशनल कॉलेज में कारगिल दिवस मनाया गया। मौके पर भारत सीनियर सैकेंडरी स्कूल के प्रिंसीपल डॉ. देवेन्द्र ढांडा ने भी कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

मेहंदी प्रतियोगिता में कृतिका ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

स्वामी विवेकानंद सीनियर सैकेंडरी स्कूल अलाहर समेत विभिन्न स्कूलों में हरियाली तीज पर्व के उपलक्ष में मेहंदी प्रतियोगिता समेत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

मौके पर बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्वामी विवेकानंद स्कूल में आयोजित हुई मेहंदी प्रतियोगिता विद्यालय प्रबंधक ने बताया कि मेहंदी प्रतियोगिता में कृतिका प्रथम, निशिका धीमान व तानिया द्वितीय तथा रितिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मौके पर विद्यार्थियों ने हरियाणवी नृत्य, पंजाबी गिद्दा,कविताएं व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यमुनानगर। रादौर स्थित स्कूलों में आयोजित हरियाली तीज पर्व के मौके पर कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

स्वराज शिशु निकेतन स्कूल में धूमधाम से मनाया तीज पर्व

रादौर के स्वराज शिशु निकेतन स्कूल में हरियाली तीज का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कक्षा पांचवी तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें पेड़ लगाना, हरियाली तीज के लोकगीत, हरि वेशभूषा, मेहंदी लगाना, चार्ट, कार्ड द्वारा प्रकृति को हरा भरा रखने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अध्यापिका रेनू शांडिल्य ने सभी को तीज की बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह त्योहार प्रकृति को भी हरा भरा रखने का संदेश देता है। कार्यक्रम के अंत में सर्वोत्तम वेशभूषा के लिए व सर्वोत्तम मेहंदी लगाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन रमा, पुष्पा व डॉली ने किया।

लाइक पब्लिक स्कूल रादौर में मनाया पर्व

लाइक पब्लिक स्कूल रादौर में हरियाली तीज पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान कक्षा नर्सरी से दसवीं कक्षा तक के सभी विद्यार्थियों ने स्कूल के परिसर को सुलो को हरे दुपट्टे गुब्बारे इत्यादि सामग्री के साथ सजाया गया। सभी विद्यार्थियों व अध्यापकों ने हरे रंग की पोशाक पहन रखी थी। वहीं, कक्षा नर्सरी से दूसरी तक के बच्चों के बीच ड्राइंग प्रतियोगिता करवाई गई। मौके पर बच्चों ने हरियाली तीज की कविताएं सुनाई तथा झूलों का भी भरपूर आनंद उठाया। स्कूल में मेहंदी प्रतियोगिता भी करवाई गई। इसमें कक्षा तीसरी से दसवीं तक के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों को जानकारी दी गई कि यह त्योहार भगवान शिव व मां पार्वती के शुभ प्रथम मिलन की याद में मनाया जाता है। यह त्योहार हमारी संस्कृति को बढ़ावा देता है। नर्सरी से लेकर दसवीं तक सभी बच्चे अपने दोपहर के भोजन इस त्योहार से जुड़ी मिठाई व फिरनी घेवर आदि लेकर स्कूल में पहुंचे और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर त्योहार मनाया।

यमुनानगर। रादौर में आयोजित प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव एडवोकेट धर्मबीर वेद ढांडा।

डीएपी खाद नहीं मिलने से प्रदेशभर के किसान परेशान: ढांडा

रादौर। प्रदेश के किसान आज डीएपी खाद नहीं मिलने से अपनी फसलों में कम पैदावार होने की चिंता से परेशान हैं। वहीं, हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा प्रदेश में डीएपी खाद की कोई कमी नहीं होने के ब्यान देकर किसानों को गुमराह कर रहे हैं। उक्त आरोप कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव एडवोकेट धर्मबीर वेद ढ़ांडा ने शनिवार को रादौर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए लगाया। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव धर्मबीर वेद ढ़ांडा ने कहा कि आज प्रदेश भर में डीएवी खाद नहीं मिल रहा है। जिससे प्रदेश भर के किसान परेशान हैं। उन्हें चिंता है कि यदि धान व गन्ना समेत अन्य फसलों में समय पर डीएपी खाद नहीं डाला गया तो उनकी फसलों की पैदावार कम होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रदेश के किसान डीएपी खाद नहीं मिलने से परेशान हैं और वहीं दूसरी तरफ कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने प्रदेश में खाद की कमी न होने का ब्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के यह हालात हैं कि ना तो फसलों के लिए खाद मिल रहा है और न ही सरकार से उचित उत्तर मिल रहा है। ढ़ांडा ने कहा कि कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा को भारतीय किसान यूनियन द्वारा ज्ञापन देकर खाद की पूर्ति करवाए जाने की मांग की थी। मगर इसके बावजूद भी किसानों को खाद उपलब्ध न होना समझ से परे है। उन्होंने बताया कि डीएपी खाद की कालाबाजारी होना भी किसानों को खाद उपलब्ध न होने का एक कारण है। क्षेत्र में विकास नाम की कोई चीज नहीं है।

एनसीसी कैडेट्स ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

यमुनानगर। गुरु नानक खालसा कॉलेज में वृक्षारोपण अभियान के तहत पौधारोपण करते हुए एनसीसी कैडेट्स।

यमुनानगर। गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर की एनसीसी इकाई के तत्वावधान में बंजर भूमि को हराभरा बनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स द्वारा कॉलेज परिसर व खाली पड़े स्थानों पर छायादार, फलदार व औषधीय पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. प्रतिमा शर्मा ने पौधा लगाकर पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य वनीकरण प्रयासों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से युवाओं में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। प्राचार्या डॉ. प्रतिमा शर्मा ने कैडेट्स के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल हमारे विद्यार्थियों में जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण की भावना पैदा करती है। इस दौरान एनसीसी कैडेटों ने सैंकड़ो पौधे लगाए। मौके पर कैडेट्स ने रोपित किए गए पौधों की स्वयं देखभाल करने का संकल्प लिया। मौके पर कालेज के आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. कैथरीन मसीह ने कहा कि यह वृक्षारोपण अभियान समग्र विकास के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कृषि मंत्री ने रादौर में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में सुनीं लोगों की समस्याएं

जनता के सहयोग के बिना कोई योजना नहीं होती है सफल: राणा

- कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकांश समस्याओं का मौके पर किया समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने रादौर स्थित अपने कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकांश समस्याओं का मौके पर समाधान कर दिया और शेष बची समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के पास भेजकर उन्हें जल्द समाधान किए जाने के निर्देश दिए। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र के लोग अपनी भिन्न भिन्न प्रकार की समस्याएं लेकर उनके पास आते हैं। मेरा भी यही प्रयास रहता है कि लोगों की समस्याओं का शीघ्र समाधान हों और जो समस्याएं प्रशासन से संबंधित होती हैं। उन समस्याओं के निवारण के लिए फोन के माध्यम से अधिकारियों को समाधान किए जाने से सख्त निर्देश दिए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के मूलमंत्र के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वाभिमान व स्वावलंबन के रास्ते पर चलकर हर वर्ग के हित को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है।

यमुनानगर। रादौर में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनते हुए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा। फोटो : हरिभूमि

इस मूलमंत्र के माध्यम से सुशासन पर जोर दिया जा रहा है। कृषि मंत्री ने कहा कि देश व प्रदेश की सरकारों ने मिलकर लोगों के हित में अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग के बिना कोई भी योजना सफल नहीं होती है। इसलिए किसी भी योजना को सफल बनाने एवं धरातल तक पहुंचाने में जनता का सहयोग बहुत आवश्यक है।

हमने कभी भी द्वेष की राजनीति नहीं की

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की बनाई गई नीतियों एवं योजनाओं को हरियाणा ही नहीं बल्कि देश के अन्य राज्य प्रदेश भी नीतियों एवं योजनाओं का अनुसरण कर रहे हैं। इसी प्रकार प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दिन रात प्रदेश की जनता के हितों के लिए कार्य कर रहे हैं। राणा ने बताया कि अब कोई भी व्यक्ति यह नहीं कह सकता है कि विकास कार्य किसी एक जगह पर हो रहे हैं। बल्कि बिना किसी भेदभाव हरियाणा के सभी क्षेत्रों में विकास कार्य समान रूप से करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सबसे पहले शासन.प्रशासन में फैले भ्रष्टाचार को समाप्त करने का कार्य किया। राणा ने कहा कि हमने कभी भी द्वेष की राजनीति नहीं की है। बल्कि विकास कार्यों को सदैव प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा सरकार बनी है तब से नौकरियों में फैले भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है। जिस कारण से आज गरीब से गरीब परिवारों की युवक एवं युवतियों को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार उपलब्ध करवाएं जा रहे हैं। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा बिना पर्ची खर्ची के युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां प्रदान कर रही है। इस अवसर पर गोपाल कृष्ण, विपिन धानूपुरा, सुनील चमरौडी, राजपाल अलाहर, पंकज कांबोज व जसमेर सिंह आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

संधारा तीज सुहागिनों का मुख्य पर्व : डॉ.सुरेश

कुरुक्षेत्र। हार्मनी ऑकल्ट वास्तु जोन के अध्यक्ष और श्रीदुर्गा देवी मन्दिर पिपली के पीठाधीश ज्योतिष व वास्तु आचार्य डॉ .सुरेश मिश्रा ने बताया कि श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को संधारा तीज मनाई जाती है। कई जगह इसे कज्जली तीज या सिंधारा तीज भी कहते है। हरियाली तीज 27 जुलाई ,2025 रविवार, चन्द्रमा सिंह राशि के और मघा नक्षत्र में धूमधाम से मनाई जाएगी। इस दिन सुहागन मां गौरी की पूजा करती हैं। हरियाली तीज का व्रत सर्वप्रथम राजा हिमालय की पुत्री पार्वती ने रखा था। जिसके कारण उन्हें भगवान शिव जी स्वामी के रूप में प्राप्त हुए। इसलिए हरियाली तीज पर कुंवारी लड़कियां व्रत रखती हैं और अच्छे वर की प्राप्ति के लिए माता पार्वती से प्रार्थना करती हैं।

सीईटी के अभ्यर्थियों के लिए की भोजन की व्यवस्था

कुरुक्षेत्र। रन्तुक यक्ष तीर्थ सोसाइटी(रजि.)द्वारा विभिन्न जिलों से कुरूक्षेत्र में संयुक्त पात्रता परीक्षा की परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों के लिए सुबह का नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन के साथ रात्रि ठहराव का निःशुल्क प्रबंध किया गया है। षडदर्शन साधु समाज हरियाणा के कार्यालय सचिव एवं ठाकुरद्वारा रतनदक्ष चिट्टा मंदिर संचालक महामंडलेश्वर महंत रामअवतार दास ने बताया कि पिपली एवं कुरूक्षेत्र के परीक्षा केंद्रों के बाहर सोनीपत, रोहतक,पानीपत, जींद व नरवाना आदि शहरों से धर्मनगरी में 26 और 27 जुलाई को संयुक्त पात्रता परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क बनाए गए हैं जिनमें वे अपना जरूरी सामान जमा करवा सकते हैं। साथ ही इन अभ्यर्थियों और इनके साथ आए अभिभावकों व जानकारों के लिए सुबह का नाश्ता,दोपहर व रात्रि भोजन के साथ रात्रि ठहराव का निःशुल्क प्रबंध ठाकुरद्वारा रतनदक्ष चिट्टा मंदिर में किया गया।

पर्यावरण प्रेमी राजबीर राणा को दी श्रद्धांजलि

पिहोवा। सांसद नवीन जिंदल ने गांव बीबीपुर कलां में पहुंचकर पर्यावरण प्रेमी राजबीर राणा की श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद जिंदल शनिवार को परिवार के बीच पहुंचे। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि स्व. राजबीर राणा से उनका विशेष लगाव रहा।

कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हुई सीईटी परीक्षा

कुरुक्षेत्र में 41 केंद्रों पर 20862 में से 18852 परीक्षार्थियों ने दी सीईटी परीक्षा

- पहले सत्र में 9372 और दूसरे सत्र में 9480 परीक्षार्थियों ने दिया पेपर

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। परीक्षा केंद्र से परीक्षा देकर बाहर आते परीक्षार्थी। 26केयूके23

कुरुक्षेत्र। सलारपुर रोड पर भंडारे में भोजन ग्रहण करते परीक्षार्थी।

कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) का आयोजन जिला में शांतिपूर्वक हुआ। परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की गई। सीईटी की परीक्षा में पहले दिन दोनों सत्रों में 20862 में से 18852 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठे। जिले में प्रत्येक सत्र में 10431 परीक्षार्थियों की परीक्षा के प्रबंध किए गए हैं। सुबह के सत्र में 9372 और शाम के सत्र में 9480 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा शुरू होने से पहले ही परीक्षार्थी अपने-अपने सेंटरों पर पहुंचने शुरु हो गए थे। केन्द्र के मुख्य द्वार पर परीक्षार्थियों की मेटल डिटेक्टर से तलाशी, आईआरआईएस बायोमैट्रिक डाटा कैप्चरिंग करने के बाद ही उन्हें प्रवेश दिया गया। बिना कलर एडमिट कार्ड के या बिना कलर फोटो के किसी भी परीक्षार्थी को एग्जाम सेंटर में जाने की अनुमति नहीं दी गई। परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 लागू रही व आसपास फोटोस्टेट की दुकानें भी बंद रही। परीक्षा को शांतिपूर्वक ढंग से करवाने के लिए नोडल अधिकारी और ओवर आल इंचार्ज नियुक्त किया गया। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि सीईटी की परीक्षा को जिला प्रशासन त्योहार की तरह सम्पन्न करवाया है। सभी अधिकारियों-कर्मचारियों में सीईटी की परीक्षा करवाने को लेकर विशेष उत्साह व जोश नजर आ रहा है। जिसको जो जिम्मेदारी मिली वो उसके बखूबी निभा रहे हैं। कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच पहले दिन की परीक्षा शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हुई। उपायुक्त नेहा सिंह कहा कि जिला में 30 स्थानों पर 41 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों को 4 कलस्टों में बांटा गया है। प्रत्येक कलस्टर में समन्वयक अधिकारी नियुक्त किया गया और पुलिस की तरफ से डीएसपी को नियुक्त किया हुआ है। सभी परीक्षा केंद्रों पर एक-एक डयूटी मेजिस्ट्रेट कम फलाइंग स्कवॉड अधिकारी एवं पेपर डिस्ट्रीब्यूटर, एक सहायक और एक परीक्षा केंद्र अधीक्षक नियुक्त किया हुआ है। इसी तरह कर्मियों के साथ पुलिस प्रभारी की टीम नियुक्त की गई है। साथ ही परीक्षा करवाने के लिए कमरों के हिसाब से पेपर डयूटी में स्टाफ नियुक्त किया गया है।

सभी केंद्रों पर वीडियोग्राफी की गई

परीक्षा के दौरान हर परीक्षा केंद्र पर कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए। पुलिस प्रशासन परीक्षा केंद्रों पर मुस्तैदी से तैनात रहा। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर वीडियोग्राफी की गई। सीसीटीवी से परीक्षा केंद्रों पर विशेष तौर पर निगरानी रखी गई। बायोमेट्रिक तकनीकी से परीक्षार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। इसके अलावा परीक्षार्थियों की आंखों की पुतली को भी स्कैन किया गया ताकि परीक्षा में धांधली की कोई गुंजाइश न रहे।

निशुल्क बस सेवा की परीक्षार्थियों ने की सराहना

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग व राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के तत्वाधान में कुरुक्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में सीईटी की परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्र बनाए गए। इन परीक्षा केन्द्रों तक परीक्षार्थियों को पहुंचाने के लिए सरकार की तरफ से पहली बार निःशुल्क बस सेवा की सुविधा दी गई। अहम पहलू है कि कुरुक्षेत्र से विभिन्न जिलों के लिए भी परीक्षार्थियों को निशुल्क बस सेवा उपलब्ध करवाई गई। इस परिवहन की सेवा उपलब्ध करवाने पर परीक्षार्थियों ने सरकार की इस पहल की सराहना की है। सोनीपत से आए परीक्षार्थी सोहन का कहना था कि प्रदेश सरकार ने परीक्षार्थियों को बस सेवा उपलब्ध करवाकर एक सराहनीय कार्य किया है। इससे परीक्षार्थियों का पैसा व समय तो बचा ही है साथ में परिवहन सुविधा भी सहजता से मिल पाई है।

103 शैटल बसों ने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया

जिले में बने 41 परीक्षा केंद्रों तक परीक्षार्थियों को पहुंचने के लिए 103 शैटल बसों की व्यवस्था से पहले दिन सफलता पूर्वक परीक्षा संपन्न करवाई गई। इन परीक्षा केंद्रों पर पहले दिन दोनों सत्रों में करीब 20 हजार परीक्षार्थियों का पेपर लिए जाने की व्यवस्था की गई। शैटल बसों के माध्यम से सभी परीक्षाओं को सफलता पूर्वक परीक्षा केंद्रों और वापिस पार्किंग स्थल तक पहुंचाया गया। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिला में सोनीपत जिला के आवेदकों के लिए परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। सरकार की व्यवस्था के अनुसार सोनीपत से परीक्षार्थियों को लेकर पहुंची बसों की पार्किंग के लिए अनाज मंडी स्थल को निर्धारित किया गया। यहां से जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केंद्रों तक शैटल बसों का प्रबंध किया गया।

समाजसेवी संजीव सीकरी ने लगाया भंडारा

दूरदराज से आए परीक्षार्थियों के लिए समाजसेवी लोगों ने परीक्षा केंद्र के समीप निशुल्क भंडारा लगाया। भंडारे में कड़ी चावल, ठंडा मीठा शरबत परीक्षार्थियों व उनके साथ आए परिजनों को पिलाया गया। सलारपुर रोड पर भाजपा नेता व समाजसेवी संजीव सीकरी ने शहर के समाजेवी लोगों के साथ मिलकर कड़ी चावल का भंडारा लगाया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष तजेंद्र सिंह गोल्डी व भाजपा युवा नेता मलकीत ढांडा ने भी समाजसेवी संजीव सीकरी के स्टॉल पर पहुंचकर परीक्षार्थियों को भोजन परोसा।

कुरुक्षेत्र। संत शिरोमणि नामदेव मंदिर के परिसर में विश्राम करते परीक्षार्थी।

संत शिरोमणि नामदेव मंदिर संस्था ने परीक्षार्थियों के विश्राम की व्यवस्था की

हरिभूमि न्यूज. कुरुक्षेत्र। पुरानी सब्जी मंडी के पीछे संत शिरोमणि नामदेव मंदिर संस्था ने सीईटी परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों के विश्राम के लिए मंदिर परिसर को खोल दिया। सरकार द्वारा चलाई गई मुहिम में अपनी सहभागिता दिखाते हुए संत शिरोमणि नामदेव मंदिर की कार्यकारिणी ने परीक्षार्थियों की हर संभव मदद की। संस्था के पदाधिकारी ने बताया कि दूर-दराज से आए परीक्षार्थियों को उमस भरी गर्मी में इधर-उधर भटकना न पड़े इसके लिए संस्था ने परीक्षार्थियों के विश्राम करने के लिए मंदिर परिसर को खोल दिया है। कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। हर संस्था को ऐसे कार्यो में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए।

सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का करें कामः नवीन जिन्दल

- सांसद नवीन जिन्दल ने भाजपा कुरुक्षेत्र के नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल, भारतीय जनता पार्टी, कुरुक्षेत्र के नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ औपचारिक बैठक के लिए गीता कमल कार्यालय में पहुंचे। इस अवसर पर, बैठक में जिला अध्यक्ष सरदार तेजिंदर सिंह (गोल्डी) ने नवनियुक्त सभी 21 पदाधिकारीयों का सांसद नवीन जिन्दल से परिचय कराया। सांसद नवीन जिन्दल ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाजपा का संगठन जनता से जुड़ा हुआ सबसे मजबूत संगठन है और हमें इसे अधिक सशक्त बनाने के लिए समर्पण भाव से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने, केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, आगामी कार्यक्रमों की रणनीति, और कुरुक्षेत्र जिले के सर्वांगीण विकास को लेकर व्यापक चर्चा हुई।

दिव्यांग परीक्षार्थियों जिला प्रशासन ने लगाई स्पेशल गाड़ियां : नेहा सिंह

- पहले दिन 31 दिव्यांग परीक्षार्थियों की विभिन्न परीक्षा केंद्रों में हुई परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुरुक्षेत्र

सीईटी परीक्षा के दिव्यांग परीक्षार्थियों को घर से परीक्षा केंद्र तक लाने और वापस घर छोड़ने के लिए जिला प्रशासन ने गाड़ियों की व्यवस्था की गई। जिला में पहले दिन दोनों सत्रों में 31 दिव्यांग परीक्षार्थियों की सीईटी की परीक्षा रही। गाड़ियों की व्यवस्था से दिव्यांग पात्रों ने शांतिपूर्वक परीक्षा दी। परीक्षार्थियों ने भी इस व्यवस्था के लिए प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन का धन्यवाद किया। साथ ही दिव्यांगों के लिए नियुक्त टीम के कार्य की सराहना की। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि पहले सत्र में 15 दिव्यांग पात्रों की अलग-अलग विधानसभाओं से अलग-अलग परीक्षा केंद्रों में परीक्षाएं रहीं।

लाडवा विधानसभा क्षेत्र की तरक्की के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी दिन-रात मेहनत कर रहे हैं : कैलाश सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। लाडवा

लाडवा। रामकुंडी चौक पर भूमि पूजन करते कैलाश सैनी। 26केयूके25

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी ने शनिवार को लाडवा की शिवाला रामकुंडी चौक का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चौक पर बने डिवाइडर पर बनने वाले विशाल धनुष के निर्माण को लेकर भूमि पूजन भी किया। इस अवसर पर कैलाश सैनी ने कहा कि लाडवा विधानसभा क्षेत्र की तरक्की के लिए मुख्यमंत्री दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले बाबैन रोड की ओर जाने वाले वाहनों के भारी जाम की समस्या को लेकर एक प्रयोग के तौर पर छोटा डिवाइडर बनाया गया था, जो अब सफल साबित हुआ है। आज उस क्षेत्र में ट्रैफिक जाम नाममात्र का रह गया है। इसी डिवाइडर पर अब एक विशाल धनुष स्थापित किया जाएगा जो न केवल चौक की सुंदरता को बढ़ाएगा, बल्कि शहर को एक नई पहचान भी देगा। उन्होंने कहा कि डिवाइडर के नजदीक स्थित शिवाला रामकुंडी की भांति यह स्थान भी एक सांस्कृतिक प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि लाडवा हलके की सभी टूटी हुई सडकों का कायाकल्प 15 अगस्त से पहले कर दिया जाएगा यदि बारिश ने बाधा नहीं डाली तो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लाडवा हलके की सडकों के लिए राज्य सरकार द्वारा करोड़ों रुपए की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। मुख्यमंत्री के कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी ने शनिवार को लाडवा की शिवाला रामकुंडी चौक का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चौक पर बने डिवाइडर पर बनने वाले विशाल धनुष के निर्माण को लेकर भूमि पूजन भी किया। इस मौके पर उनके साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के एस.डी.ओ. धर्मवीर आर्य सभा के प्रधान देवराज कश्यप मुख्य रूप से मौजूद थे।

तीजोत्सव | जिले के स्कूलों-कॉलेजों में हरियाली तीज की रही धूम, छात्राओं ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

नवयुग स्कूल में अनोखे अंदाज में मनाया हरियाली तीज उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। नवयुग स्कूल हरियाली तीज पर नृत्य करती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

कुरुक्षेत्र। लिटिल मिलेनियम में तीजोत्सव में भाग लेती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

नवयुग सीनियर सैकेंडरी स्कूल मोहन नगर कुरुक्षेत्र में हरियाली तीज के अवसर पर दो दिवसीय उत्सव का आयोजन किया गया। यह त्यौहार बड़े ही अनोखे अंदाज में मनाया गया। प्रथम दिवस विद्यार्थियों के लिए कक्षा स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कक्षा नर्सरी से द्वितीय तक के विद्यार्थियों को उनकी अध्यापिकाओं ने उनके हाथों पर मेहंदी लगाकर तथा झूला झुलाकर तीज के त्यौहार की शुभकमानाएं दीं। कक्षा तृतीय से पंचम के विद्यार्थियों ने बड़े ही अलग अंदाज में चूड़ियों की सजावट की। कक्षा षष्ठम से अष्टम के विद्यार्थियों ने सुंदर पोस्टर बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कक्षा नवम से द्वादश की छात्राओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।द्वितीय दिवस विद्यालय में कक्षा प्रथम एवं द्वितीय की माताओं के लिए तीज उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें उन्हें पौधे देकर उनका स्वागत किया गया और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने उनके हाथों पर सुंदर मेहंदी लगाई। इसके साथ ही सभी माताओं के लिए फन गेम्स का भी आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने बढ़ चढ़ भाग लिया और नृत्य का भी आनंद लिया। इस अवसर पर कक्षा नवम से द्वादश की छात्राओं ने लोक नृत्य प्रस्तुत कर के तीज के त्यौहार के आनंद में चार चांद लगा दिए। मेहंदी प्रतियोगिता के विजेताओं को एवं गेम्स जीतने वाली माताओं को भी पुरस्कृत किया गया। सभी विद्यार्थियों ने एक दूसरे को घेवर और फिरनी खिलाकर तीज के त्यौहार का आनंद लिया। इस अवसर पर अध्यापिका मधु ने विद्यार्थियों को हरियाली तीज के बारे में विस्तार से बताया।

लिटिल मिलेनियम में उत्साह के साथ मनाया तीजोत्सव

कुरुक्षेत्र। लिटिल मिलेनियम 7बी, अमीन रोड, कुरुक्षेत्र में पारंपरिक उल्लास और उत्साह के साथ तीज का त्योहार मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा माताओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जहां उनके लिए कई मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झूले, मेहंदी व चूड़ी कॉर्नर के साथ-साथ विभिन्न खेलों की व्यवस्था की गई थी, जिसमें माताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस विशेष अवसर पर एम.डी. सर श्री परमिंदर सिंह बाठ, सी.एल.ओ. श्रीमती कमलप्रीत कौर, शिक्षिकाएं सुश्री सिमरन कौर एवं सिमरन गाबा जी उपस्थित रहीं, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा और भी बढ़ा दी।

खबर संक्षेप

रोज मिडल स्कूल, बोधनी में हरियाली तीज की धूम

पिहोवा। बोधनी स्थित रोज मिडल स्कूल में हरियाली तीज का त्योहार पूरे उल्लास, पारंपरिक रंगत और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। स्कूल परिसर को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया, जिससे माहौल पूरी तरह तीजमय हो गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद छात्राओं ने हरियाणवी और पंजाबी लोकगीतों व लोकनृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियाँ देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। तीज के पारंपरिक गीतों पर झूले झूलती छात्राओं ने उत्सव की आत्मा को जीवंत कर दिया। इस सांस्कृतिक आयोजन में छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकगण और अभिभावकों की भी सक्रिय भागीदारी रही।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

पिहोवा। रोटरी क्लब पिहोवा की ओर से कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहीदी स्मारक पर वीर जवानों को पुष्प अर्पित कर राष्ट्रीय गान के साथ श्रद्धांजलि दी गई और उनकी अमर शहादत को नमन किया गया। इस अवसर पर क्लब द्वारा न केवल शहीदों को याद किया गया, बल्कि सैनिकों का सम्मान और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रेरणादायक पहल की गई। क्लब प्रधान डॉ. अमित अरोड़ा ने कहा, ह्लकारगिल विजय दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि यह हमारे वीर सैनिकों की वीरता, त्याग और समर्पण की याद दिलाने वाला दिन है। रोटरी क्लब पिहोवा के माध्यम से हमने इस दिन को और भी अर्थपूर्ण बनाने का प्रयास किया।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को किया नमन

कुरुक्षेत्र। 1999 में भारत-पाक के मध्य हुए कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने अद्भुत शौर्य, पराक्रम और वीरता का परिचय देते हुए दुश्मन देश की सेनाओं को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। कारगिल युद्ध में भारतीय सेना की ऐतिहासिक विजय को समर्पित ह्लकारगिल विजय दिवसह्न प्रतिवर्ष 26 जुलाई को मनाया जाता है, इसी उपलक्ष्य में आज गुरुकुल कुरुक्षेत्र में विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें विशेष रूप से एन.डी.ए. के छात्रों ने भारतीय सैनिकों के शौर्य को समर्पित गीत, भाषण, कविता प्रस्तुत कर वीर जवानों को नमन किया। निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि कारगिल पड़ोसी देश का विश्वासघाती कृत्य था जिसमें पाक सेना ने धोखे से नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय चोटियों पर कब्जा कर लिया था।

गो मूत्र अर्क बढ़ाता है रोग प्रतिरोधक क्षमता : तरूण

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा में हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सेवा भारती हरियाणा प्रदेश द्वारा आयोजित गौमय स्वावलंबी यात्रा के अंतर्गत तरुण जैन व सुश्री श्रुति उपस्थित हुए। तरुण जैन ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य केवल गौ माता के संरक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह यात्रा गौ आधारित उत्पादों के माध्यम से आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। अभियान के अंतर्गत विभिन्न पंचगव्य उत्पादों के निर्माण, प्रचार और प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया गया। इन उत्पादों से न केवल आर्थिक लाभ होता है, बल्कि समाज में गौ माता के प्रति सम्मान और जागरूकता भी बढ़ती है। गौमूत्र अर्क रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला प्राकृतिक औषधीय अर्क है, जो कई बीमारियों में लाभकारी है।

कारगिल विजय दिवस पर किया रक्तदान

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित, राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी पुलिस विभाग के सर्वोच्च रक्तदाता उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर 548 वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर भारतीय सेना के वीर सैनिकों को समर्पित लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल कुरुक्षेत्र में आयोजित हुआ। शिविर का नेतृत्व समाजसेवी प्रशांत शर्मा ने किया। शिविर में समाजसेवी एवं शिक्षक भारतेन्दु हरीश मुख्यातिथि के रूप में पधारे जबकि प्रयास फाउंडेशन के प्रधान नरेश सैनी ने शिविर की अध्यक्षता की। असंख्य बार रक्तदान कर चुके पुलिस के सेवानिवृत पुलिस निरीक्षक जगदीश चंद्र ने स्वयं रक्तदान किया और युवाओं को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया।

कारगिल विजय दिवस पर किया शहादत को नमन

कुरुक्षेत्र। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माय भारत, कुरुक्षेत्र द्वारा थानेसर ब्लॉक में नालंदा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भिवानी खेडा के सहयोग से कारगिल विजय दिवस का आयोजन करवाया गया। इसी कड़ी में स्कूल के प्रिंसिपल सरजंत द्वारा युवाओं को जागरूक करते हुए कहा गया कि कारगिल विजय दिवस हमें भारतीय सेना की वीरता और बलिदान की याद दिलाता है। यह दिन हमें देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि देने का अवसर प्रदान करता है।

लिटिल कैंपस स्कूल में मनाया तीज उत्सव

कुरुक्षेत्र। लिटिल कैंपस इंटरनेशनल स्कूल में तीज का पर्व बड़े ही उत्साह और पारंपरिक अंदाज में मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में तीज गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने त्योहार का भरपूर आनंद उठाया। इस अवसर पर स्कूल की कोऑर्डिनेटर सोनिया ने बच्चों को तीज पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि यह त्योहार विशेष रूप से महिलाओं और युवतियों द्वारा मनाया जाता है और यह हरियाली, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक होता है।

खबर संक्षेप

हर बूथ पर आयोजित होगा कार्यक्रम : मंत्री

अंबाला। परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम अंबाला छावनी विधानसभा के बूथों पर प्रसारण होगा और विधानसभा के बूथ नंबर अनुसार सरल ऐप पर इन कार्यक्रमों को अपलोड करना है। विज शनिवार को मन की बात कार्यक्रम को लेकर अंबाला छावनी विस क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारियों को अपने आवास पर संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम 27 जुलाई को प्रसारित होगा।

मादक पदार्थ हेरोइन सहित आरोपी दबोचा

अंबाला। थाना मुलाना के लवली ढाबा के पास से अवैध नशा बेचने के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी सागर को 81 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। उसे दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। सीआईए-2 को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। नाकाबंदी कर पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे हेरोइन जब्त की गई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक गाड़ी भी जब्त की है।

चोरी के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव में दर्ज सरिया चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी प्रदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। सेक्टर 34 के सतबीर सिंह ने 25 जुलाई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी प्रदीप सिंह ने उसके घर से 20/22 किलो सरिया चोरी किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को काबू किया था।

शराब की 180 बोतल बरामद, मामला दर्ज

अंबाला। पुलिस द्वारा अवैध शराब की तस्करी करने वालों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना नारायणगढ़ क्षेत्र के गांव मिल्क से अवैध शराब की तस्करी के मामले में आरोपी रति राम को काबू किया है। उसके घर से पुलिस ने 15 पेटी कुल 180 बोतल शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

अमरनाथ यात्रियों के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

अंबाला। अमरनाथ जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने एक विशेष ट्रेन के संचालन का फैसला लिया है। ट्रेन का संचालन जबलपुर से श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा के बीच किया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों के आग्रह पर विशेष ट्रेन के संचालन की समय सारिणी व संचालन की तारीख जारी कर दी है। अंबाला रेल मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक नवीन कुमार झा ने बताया कि ट्रेन नंबर 01707 जबलपुर से चार से 11 अगस्त तक सुबह 5:25 बजे रवाना होकर अगले दिन शाम 6 बजे कटरा पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 01708 कटरा से पांच से 12 अगस्त तक रात 9:15 बजे रवाना होकर दूसरे दिन सुबह 9.35 बजे जबलपुर पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में ट्रेन का ठहराव कटनी मुरवारा, दमोह, सौगोर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, मुरैना, आगरा कैंट, मथुरा, अलवर, रेवाड़ी, झज्जर, रोहतक, जाखल, धूरी, लुधियाना, जालंधर कैंट, पठानकोट और जम्मूतवी स्टेशनों पर ठहरेगी।

प्रशासन की ओर से परीक्षा को लेकर किए गए थे पुख्ता बंदोबस्त, डीसी और एसपी खुद उतरे फील्ड में

सीईटी परीक्षा के पहले दो चरणों में 5940 ने दी परीक्षा, सुरक्षा में डटे रहे पुलिस के 535 जवान

■ डीसी और एसपी ने कई सेंटरों का मुआयना कर सुरक्षा बंदोबस्त जांचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। सीईटी परीक्षा के बंदोबस्त का जायजा लेते उपायुक्त- एसपी व बसों में सवार होकर सेंटर पहुंचते परीक्षार्थी। फोटो : हरिभूमि

दोनों चरण में कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) की लिखित परीक्षा संपन्न हो गई। इसके लिए प्रशासन की ओर से पुख्ता बंदोबस्त किए गए थे। पुलिस के भी 535 जवानों ने इस परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने में अहम भूमिका निभाई। ज्यादातर परीक्षार्थी सीईटी के लिए किए गए बंदोबस्त से बेहद खुश नजर आए। उधर उपायुक्त अजय सिंह तोमर व पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने शनिवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए वास्तविकताएं जांची। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सैंटरों के बाहर बॉयोमेट्रिक अटेंडेंस की व्यवस्था जांची। साथ ही सेंटर सुपरवाइजर से परीक्षा देने आए युवाओं की जानकारी ली। इसके अलावा सैंटरों में लगे जैमर व सीसीटीवी कैमरे भी चेक किए गए।

उन्होंने परीक्षा देने पहुंचे अभ्यार्थियों से भी परीक्षा को लेकर बातचीत की। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने सीईटी-2025 की लिखित परीक्षा को लेकर सबसे पहले अंबाला शहर स्थित राजकीय बहुतकनीकी संस्थान कल्पना चावला (महिला), राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, राजकीय कॉलेज अंबाला छावनी, फारूखा खालसा वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल अंबाला छावनी व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल बकरा मार्केट स्कूल में बने परीक्षा केंद्र का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सेंटर सुपरवाइजर से परीक्षा जानकारी हासिल की। उपायुक्त ने बताया कि सीईटी-2025 की लिखित परीक्षा शनिवार व रविवार को दो-दो चरणों में आयोजित की जा रही है। शनिवार को पहला चरण खत्म हो गया। उन्होंने यह भी बताया कि परीक्षा के सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि दिव्यांग अभ्यार्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों पर व्हील चेयर की व्यवस्था के साथ-साथ वॉलिंटियर्स भी तैनात किए गए थे।

पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने बताया कि अंबाला शहर व अंबाला छावनी में 19 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जा रही सीईटी की लिखित परीक्षा को लेक पुलिस द्वारा सभी प्रबंध किए हुए हैं। सभी संबंधित ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को परीक्षा को नकल रहित व पारदर्शिता तरीके से करवाने बारे निर्देश भी दिए हुए थे।

इसके साथ-साथ ट्रैफिक व्यवस्था के तहत भी प्रबंध किए गये हैं ताकि आमजन के साथ-साथ अभ्यार्थियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्रथम चरण के तहत 4616 अभ्यार्थियों में से 2991 पहुंचे

उपायुक्त ने बताया कि शनिवार को अंबाला शहर व अंबाला छावनी में दो चरणों में परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन करवाया गया। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के तहत 4616 अभ्यार्थियों में से 2991 परीक्षा देने पहुंचे थे। इसी प्रकार दूसरे चरण में 4514 अभ्यार्थियों में से 2949 ने परीक्षा दी। पहुंचे थे।उपायुक्त ने यह भी बताया कि अभ्यार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न आए। इसके लिए शटल बस सर्विस की सुविधा उपलब्ध करवाई गई थी। परीक्षार्थियों के लिए बसों की व्यापक व्यवस्था पहले से ही सुनिश्चित की गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि 27 जुलाई को भी दो चरणों में सीईटी की लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसके लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं। परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों को प्रशासन व प्रदेश सरकार द्वारा बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। सोनीपत की रहने वाली अभ्यार्थी भावना ने बताया कि वह परीक्षा के लिए सोनीपत से अंबाला आई थी। बस में उसकी तथा उसके पिता की कोई टिकट नहीं लगी। सरकार द्वारा अभ्यर्थियों के लिए व महिला अभ्यार्थी के साथ एक परिजन के लिए जो निशुल्क बस सेवा उपलब्ध करवाई गई है उसके लिए उन्होंने सरकार का आभार व्यक्त किया है। राजस्थान के अलवर जिले से परीक्षा देने पहुंचे अभ्यार्थी ने भी प्रदेश सरकार का धन्यवाद किया है। कहा कि उसकी भी बस में किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लगा।

सरकार परीक्षा को सफल करने में जुटीः विज

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम अनिल विज ने कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) परीक्षा में परिवहन व्यवस्था को लेकर कहा कि हम चाहते हैं कि हर परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र तक पहुंचे। यहीं हमारी सरकार का संकल्प था जिसे परिवहन विभाग ने पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाया है।उन्होंने कहा कि कहा कि शनिवार का दिन बड़ा मुश्किल दिन था। लगभग 11 लाख परीक्षार्थीयों को परीक्षा देने जाना था। लगभग 13 लाख लोग बसो में यात्रा करते हैं। तीज त्यौहार व शनिवार-रविवार की वजह से भी बसों में ज्यादा भीड़ थी। मगर परिवहन विभाग के पूरे स्टाफ बेहतर काम किया हे। विज ने कहा कि हमने परीक्षार्थियों के लिए चलाई बसों में आम यात्रियों को भी यात्रा की सुविधा प्रदान की और कहीं भी कोई परेशानी नहीं आई है। सभी जिलों से ठीक रिपोर्ट आई है। हमारा स्टाफ पूरी भावना से काम कर रहा है।

लंबे समय से नाला शुरू, भर जाता था पानी, मेयर ने एचएसजीपीसी सदस्य के आग्रह पर करवाई की

■ गुरतेज सिंह ने मेयर शैलजा संदीप सचदेवा से मिलकर इस समस्या का हल निकालने का आग्रह किया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के जीटी रोड पर स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब के सामने लंबे समय से एक नाला बंद पड़ा था। इसकी वजह से इलाके में पानी भर जाता था और बदबू फैलती थी। सिख संगत इस नाले को खुलवाने की मांग कई बार कर चुकी थी लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य गुरतेज सिंह ने मेयर शैलजा संदीप सचदेवा से मिलकर इस समस्या का हल निकालने का आग्रह किया था।

मेयर शैलजा संदीप सचदेवा ने इसके बाद खुद गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब में जाकर माथा टेका, जिसके बाद आसपास के लोगों से समस्याओं को समझा जिसके बाद उन्होंने कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने मीरी-पीरी चौक का भी दौरा कर वहां की सफाई और सौंदर्यीकरण की योजना तैयार करने के आदेश अधिकारियों को दिए। मीडिया से बातचीत करते हुए मनोनीत सदस्य और मेयर शैलजा सचदेवा के पति संदीप सचदेवा ने कहा कि यह कोई आम सरकारी कार्य नहीं है, बल्कि यह गुरुघर की सेवा है। इस पवित्र स्थल की सेवा करने का अवसर मुझे मिला, इसके लिए वे गुरुसाहिब का धन्यवाद करते हैं। किस्मत वाले लोग ही गुरुद्वारों की सेवा का मौका पाते हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि न केवल यह नाला ठीक से साफ हो, बल्कि भविष्य में संगत को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

युवाओं में बढ़ रही आक्रामकताः डॉ. अनुपमा

■ ओस्का व इद्रीश फाउंडेशन कीओर से बढ़ती आक्रमकता व अपराध विषय पर आयोजित की कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

ओस्का और इद्रीश फाउंडेशन द्वारा इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों में बढ़ती आक्रामकता और अपराध विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में जीएमएन कॉलेज की मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रवक्ता डॉ. अनुपमा सिहाग ने संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में किशोरों और युवाओं में बढ़ते आक्रोश, हिंसक प्रवृत्तियों, और आपराधिक झुकावों के मनोवैज्ञानिक कारणों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. सिहाग ने बताया कि पारिवारिक विघटन, सामाजिक दबाव, नशे की लत, सोशल मीडिया की आक्रामक सामग्री और भावनात्मक अभिव्यक्ति की कमी ऐसे प्रमुख कारण हैं जो छात्रों को आक्रामकता की ओर धकेलते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्म-नियंत्रण, सकारात्मक संवाद, समूह गतिविधियों में भागीदारी और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। ओस्का के कोऑर्डिनेटर तुषार ने बताया कि कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य युवाओं और किशोरों में तेजी से बढ़ रही आक्रामक प्रवृत्तियों, असहिष्णुता और आपराधिक झुकावों को समझना और उनसे निपटने के उपायों पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देना। यह विषय विशेष रूप से वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अत्यंत प्रासंगिक है। जहां सोशल मीडिया, प्रतिस्पर्धा, मानसिक तनाव, पारिवारिक विघटन और सामाजिक मूल्य क्षरण जैसे कई कारक युवाओं के मानसिक संतुलन को प्रभावित कर रहे हैं। इद्रीश फाउंडेशन की प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर करिशमा ने बताया कि कार्यशाला में भाग ले रहे इंटर्नशिप विद्यार्थियों ने विषय में गहरी रुचि दिखाई और अपनी जिज्ञासाओं को खुलकर रखा।

क्लस्टर प्रतियोगिता में मेजबान डीएवी स्कूल के खिलाड़ियों ने दिखाया दम

■ चार जिलों के कई डीएवी स्कूलों की टीमों ने प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में डीएवी क्लस्टर-6 खेल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में नारायणगढ़, पंचकूला, यमुनानगर, अंबाला , बराड़ा, जगाधरी, सूरजपुर, साढ़ौरा, रादौर समेत कई के डीएवी स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया।

लगभग 450 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में दम दिखाया। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट अभिषेक गर्ग गेस्ट ऑफ़ ऑनर के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहे। अभिषेक गर्ग स्वयं डीएवी पानीपत के छात्र रहे हैं। उन्होंने मंच से अपने उद्बोधन में डीएवी संस्था के प्रति अपना विशेष लगाव प्रकट करते हुए इसे एक संस्कार देने वाली संस्था बताया। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। जीवन में खेलों के महत्व को रेखांकित किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरआर सूरी ने अपने प्रेरणादायक संदेश में कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का एक अहम स्तंभ हैं। खेल उत्सव में बॉस्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन व हैंडबॉल जैसे खेलों का संचालन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हैंडबॉल -बालक वर्गः अंडर 19 में प्रथम स्थान पर मेजबान डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल की टीम रही जबकि दूसरा स्थान अंबाला शहर के ही पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल को मिला। **अंडर 17ः** प्रथम स्थान डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल व द्वितीय स्थान डीएवी पब्लिक स्कूल, रादौर को मिला। अंडर 14 में प्रथम स्थान अंबाला शहर के ही डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल व दूसरा स्थान पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल को मिला।

हैंडबॉल बालिका वर्ग अंडर 19ः प्रथम स्थान डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल को मिला। अंडर 17 में प्रथम स्थान मेजर आरएन. कपूर डीएवी स्कूल अंबाला कैंट को मिला जबकि द्वितीय स्थान डीएवी सीसे पब्लिक स्कूल को मिला। अंडर 14 में प्रथम स्थान डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल को मिला।

चुनाव के समय गुरु की गोलक का हुआ दुरुपयोग

साहा। गुरुद्वारा साहिब में इलाके की संगत की ओर से बैठक आयोजित की गई। मास्टर गुलाब सिंह के मार्गदर्शन में बैठक संपन्न हुई। जसविंदर सिंह तेपला ने बताया कि बैठक में संगत ने प्रधान झींडा द्वारा सभी चेयरमैनी और सब कमेटियों को रद्द करने के फैसले का स्वागत किया है। बेअंत सिंह गोली ने बताया हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी (एचएसजीएमसी) के चुनाव के समय आचार संहिता के बावजूद गुरु की गोलक का दुरुपयोग हुआ। प्रधान ने इसकी जांच करने के लिए कमेटी बनाकर बहुत अच्छा निर्णय लिया है। मनविंदर सिंह ने बताया की संगत प्रधान के साथ है। उनके फैसले का स्वागत करती है। सिख मामलों पर सक्रिय रहने वाले युवा रणजीत खटड़ा नहौनी ने ने बताया विश्व में एचएसजीएमसी पहली ऐसी कमेटी है जिसको सुप्रीम कोर्ट ने भी मान्यता दी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

डीईओ सुधीर कालड़ा ने बीईओ कार्यालय में प्रदान किए प्रशंसा पत्र

निपुण हरियाणा मिशनः 24 जेबीटी शिक्षक सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

निपुण हरियाणा मिशन के तहत कक्षा एक से तीन के बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए 24 प्राथमिक शिक्षकों को जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

यह सम्मान समारोह खंड शिक्षा अधिकारी मंजीत कौर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी स्कूल मुखियाओं, एबीआरसी, बीआरपी तथा प्राथमिक शिक्षकों को संबोधित करते हुए जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने कहा कि वर्ष 2025 की असर सर्वे की रिपोर्ट में मौलिक शिक्षा के मामले में सोनीपत और रेवाड़ी के बाद अंबाला प्रदेश में तीसरे स्थान पर रहा है। यह उपलब्धि जिले में कार्यरत सभी शिक्षकों और मेंटर्स की अथक मेहनत का परिणाम है जिन्होंने अपने खंड शिक्षा अधिकारियों के मार्गदर्शन में बेजोड़ कार्य किया।अब यदि जिला के सभी प्राथमिक शिक्षक थोड़ी और अधिक मेहनत करें और प्रण कर लें तो अगली असर सर्वे रिपोर्ट में मौलिक शिक्षा के मामले में जिला प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी 478 प्राथमिक स्कूलों की मेगा मोनिटरिंग के दौरान जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा एक सर्वे कराया गया था। उसमें अध्यापकों की कार्यशैली को परखने के लिए 6 गतिविधियों का एक टूल बनाया गया था जिसमें प्रत्येक गतिविधि के लिए अधिकतम 10 अंकों का प्रावधान किया गया था । यानि सभी 6 गतिविधियों के लिए अधिकतम 60 अंकों का प्रावधान किया गया था। इन गतिविधियों में अध्यापक द्वारा शिक्षक संदर्शिका, बच्चों की वर्क-बुक व स्किल पास-बुक, अल्प मूल्य वाले टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री), कक्षा कक्ष का प्रिंट रिच वातावरण और बच्चों का समग्र अधिगम विकास जैसी गतिविधियां शामिल की गई थी। यह सर्वे एबीआरसी, बीआरपी, मौलिक मुख्याध्यापक, पीजीटी, उच्च स्कूल मुख्याध्यापक, प्राचार्य, संकुल मुखिया और खंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से करवाया गया था। इस मेगा मोनिटरिंग सर्वे में जिन अध्यापकों ने अधिकतम 60 अंकों में से कुल 48 या अधिक अंक प्राप्त किए हैं उन सभी 125 अध्यापकों को उत्कृष्ट अध्यापक मानते हुए सम्मानित करने की योजना बनाई गई है।

इन्हें किया सम्मानित

सम्मानित होने वाले शिक्षकों में मंदीप सिंह, रणबीर सिंह, संजीव कुमार, आदर्श ढुआ, गीता रानी, प्रवीण, नीलम, शशिपाल, किरण कुमारी, पूनम वालिया, अमरीक सिंह, धनी राम, प्रवेश कुमार, नितिन चानना, मीनू राणा, अमिता सैनी, वंदना शर्मा, शिवानी, सुमन सैनी, राजेंदर कुमार, दीप्ति गर्ग, मेतो देवी, रिम्पल रानी, मीना रानी शामिल है। समारोह के इस अवसर पर जिला एफएलएन समन्वयक मनोज कुमार, खंड के सभी क्लस्टर मुखिया तथा लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन के जिला कार्यक्रम मैनेजर रविंदर कुमार एवं शैक्षणिक समन्वयक बलराम याद्व भी मौजूद रहे।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 27 जुलाई 2025

बुलेट ट्रेन के बाद अब आ रहा

हाइएस्ट स्पीड वाला बुलेट इंटरनेट

करीब साठ साल पहले दुनिया की पहली बुलेट ट्रेन बनाने वाले देश जापान ने अब बुलेट स्पीड वाले इंटरनेट को बनाने में सफलता हासिल की है। इस नई तकनीक से अविश्वसनीय तेज गति से डाटा ट्रांसफर हो सकेगा। इस नई तकनीक की क्या हैं विशेषताएं, इससे क्या होंगे भविष्य में फायदे, इनके बारे में आप भी डिटेल में जरूर जानना चाहेंगे।

{ कवर स्टोरी/ सुनील कुमार महला }

हाल ही में जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) के रिसर्चर्स ने 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड की अविश्वसनीय इंटरनेट स्पीड हासिल करके विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। जापान के एनआईसीटी ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और यूरोपीय पार्टनर के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की है। उनके यूनिक 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल ने अविश्वसनीय स्पीड से डाटा ट्रांसमिट किया।

अविश्वसनीय है इसकी स्पीड

एक रिपोर्ट के अनुसार, नई तकनीक के द्वारा 1.02 मिलियन गीगाबाइट (जीबी) डाटा एक सेकेंड में डाउनलोड किया गया। यह स्पीड इतनी ज्यादा है कि इसके बारे में सोच पाना भी मुश्किल है। जापान की इस तकनीक को वैश्विक रूप से डाटा ट्रांसफर, स्ट्रीमिंग और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक उज्ज्वल भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। बताते चलें कि जापान की इस लेटेस्ट इंटरनेट नेटवर्क की स्पीड 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह करीब 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के बराबर है। यह इंटरनेट स्पीड इतनी फास्ट है कि इस स्पीड का इस्तेमाल करके कुछ ही सेकेंड्स में फिल्म ही नहीं, बल्कि पूरी की पूरी लाइब्रेरी तक डाउनलोड की जा सकती है। वास्तव में जापान की यह उपलब्धि डेटा ट्रांसमिशन तकनीक में एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी कदम है। जापान की यह स्पीड अमेरिका की वर्तमान इंटरनेट डाटा एवरेज इंटरनेट स्पीड से 3.5 मिलियन गुना अधिक है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह स्पीड अमेरिका के औसत इंटरनेट कनेक्शन से 35 लाख गुना ज्यादा है। भारत की औसत इंटरनेट गति से यह 1.6 करोड़ गुना तेज बताई जा रही है। रिसर्चर्स के अनुसार इतनी स्पीड से एक साथ 1 करोड़ 8 हजार वीडियो स्ट्रीम किए जा सकते हैं। यानी 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के हिसाब से यह स्पीड मिलेगी, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। जापान द्वारा हाइ स्पीड इंटरनेट तकनीक का विकास, आने वाले समय में 6जी नेटवर्क, क्लाउड सिस्टम्स, अंडरसी डेटा केबल्स और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में नई क्रांति लेकर आएगा।

नई तकनीक का किया इस्तेमाल

जापान ने सिंगल कोर के बजाय 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर सिस्टम और उन्नत एंप्लीफायर तकनीक की मदद से इतनी तेज इंटरनेट स्पीड को हासिल करने में सफलता हासिल की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन स्पेशल केबल का इस्तेमाल कर शोधकर्ताओं की टीम ने बिना किसी स्पीड लॉस के 1800 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तक भारी मात्रा में डेटा भेजने में सफलता पाई। उन्होंने ट्रांसमीटर, रिसीवर और लूपिंग सर्किट के सेटअप का उपयोग किया, जिससे डेटा फुल पॉवर से फ्लो रखने में मदद मिली। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का अर्थ है कि एक सेकेंड में 10,000 से अधिक फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं।

गौरतलब है कि मार्च 2024 में भी जापान ने ही 402 टेराबिट्स प्रति सेकेंड (यानी 50,250 जीबीपीएस) की स्पीड का रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन इस बार नई तकनीक ने इस आंकड़े को दोगुना से अधिक कर दिया।

कई सेक्टर्स को मिलेगा लाभ

कहना गलत नहीं होगा कि जैसे-जैसे एआइ, 8के स्ट्रीमिंग, क्लाउड गेमिंग और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे सेक्टर आगे बढ़ेंगे, ऐसे ब्रेकथ्रू तकनीकों की जरूरत और भी बढ़ेगी। वास्तव में यह तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआइ, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आइओटी और ग्लोबल डिजिटलीकरण की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करेगी।

ज्यादा तेज इंटरनेट, ज्यादा तेज विकास भी लेकर आएगा। स्मार्ट सिटी, रिमोट हेल्थ केयर और ऑनलाइन शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

जापान ने सिद्ध की श्रेष्ठता

बताते चलें कि दुबई, इंटरनेट की स्पीड के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर, हॉन्ग कॉन्ग तीसरे नंबर पर, फ्रांस चौथे नंबर पर और आइसलैंड पांचवें नंबर पर आता है। कहना गलत नहीं होगा कि जापान ने अपने तकनीकी नवाचार से ग्लोबल डिजिटल डिफरेंस को भी उजागर किया है। आज एआइ का दौर है। दुनिया में ज्यादातर काम-काज इंटरनेट तकनीक से किए जा रहे हैं। आने वाले समय में इंटरनेट और तकनीक का उपयोग निश्चित ही अधिक बढ़ेगा। ऐसे में जापान की इंटरनेट स्पीड से जापान के साथ ही साथ दुनिया के अन्य देशों को भी इसके लाभ मिल सकेंगे। आने वाले समय में एआई, 6जी नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और वर्चुअल रियलिटी जैसी उभरती तकनीकों के लिए अत्यधिक डाटा ट्रांसमिशन की जरूरत होगी। जापान की यह तकनीक इन जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालांकि यह तकनीक अभी प्रयोगशाला तक ही सीमित है और इसे आम उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाने में वक्त लगेगा। लेकिन भविष्य की इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिहाज से यह एक मजबूत नींव तो रखती ही है।

हमें भी करने होंगे प्रयास

जापान की यह उपलब्धि हमें भी अपनी इंटरनेट गति को बढ़ाने की जरूरत की याद दिलाती है। गौरतलब है कि इंटरनेट की स्पीड के मामले में भारत टॉप 10 देशों में भी शामिल नहीं है। यहां पर मोबाइल इंटरनेट स्पीड 100.78 एमबीपीएस है, जबकि एवरेज ब्रॉडबैंड स्पीड 63.55 एमबीपीएस है। वास्तव में यह स्पीड विश्व के बाकी देशों के मुकाबले काफी कम है। आज भी भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उतनी इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। आज भी भारतीय ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी और 5जी नेटवर्क का विस्तार काफी चुनौतियों से भरा है। आज भारत लगातार डिजिटाइजेशन की ओर बढ़ रहा है। इंटरनेट ही शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक विकास के लिए नए अवसर खोल सकता है। इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ने से अनेक प्रकार के अवसर देश में पैदा होंगे। इंटरनेट स्पीड बढ़ेगी तो डिजिटल इंडिया को गति मिलेगी और डिजिटल इंडिया से रोजगार के अवसर बढ़ने, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण होगा। इसके लिए आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाएं। *

यंगस्टर्स को सर्वाधिक अट्रैक्ट करते हैं

देश के टॉप करियर मैगनेट सिटीज

प्राइवेट सेक्टर में अगर देश के टॉप करियर मैग्नेट सिटीज की बात करें तो बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सबसे आगे हैं। इनके अलावा कुछ और शहर भी आगे बढ़ रहे हैं। वर्तमान समय और भविष्य के जॉब के लिहाज से हॉट सिटीज पर एक नजर।

{ जॉब ट्रेंड / कीर्तिशेखर }

करियर और लगातार ग्रोथ करने के लिहाज से इस समय भारत का सबसे अच्छा शहर बेंगलुरु को माना जाता है। सैलरी के मामले में भी इस समय देश के टॉप पांच शहरों में सबसे पहला नंबर बेंगलुरु का ही है और आने वाले अगले पांच सालों तक बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे, चेन्नई और गुरुग्राम यही टॉप करियर शहर होंगे। अगले पांच सालों तक भी भारत के इन्हीं शहरों में सबसे अच्छा भविष्य तलाशने वाले युवक आकर्षित होंगे।

हाई सैलरी देने वाले शहर: 'जॉब्स एंड सैलेरीज प्राइमर फाइनेंशियल ईयर-2024' टीम लीज के हिसाब से बेंगलुरु शहर में औसत समग्र मासिक वेतन 29,500 रुपए है, जो कि देश के बाकी सभी महानगरों के मुकाबले 8 से 15 फीसदी ज्यादा है। इस मामले में एक अखबार ने भी हाल के दिनों में सैलरी और करियर के भविष्य के लिहाज से एक सर्वे किया, रेस फॉर टैलेंट। इस सर्वे में भी बेंगलुरु जूनियर, मिड और सीनियर यानी तीनों ही वेतन श्रेणियों में क्रमशः रुपए 7.2 लाख, रुपए 20.4 लाख और रुपए 37.2 लाख के औसत से शेष सभी भारतीय शहरों में शीर्ष पर है। रैंडस्टैड 2025 रिपोर्ट बताती है कि यहां जूनियर भूमिकाओं का सैलरी पैकेज देश के दूसरे सभी बड़े शहरों के मुकाबले 23 पर्सेंट तक ज्यादा है और मिड लेबल में यह 9 फीसदी ज्यादा है।

ये सिटीज भी बढ़ रहे हैं आगे: एक नए सर्वे (इनडीड) के मुताबिक यह बात भी सामने आ रही है कि हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत तेजी से अगले पांच सालों में सैलरी देने के मामले में देश के टॉप शहर बनने का मुकाबला करेंगे। लेकिन अभी तक ज्यादातर अनुमान यही है कि 2030 तक यह सेहरा बेंगलुरु के सिर पर ही रहेगा। हैदराबाद और चेन्नई के बाद जो तीसरा शहर इस मामले में चौंकाने वाली रफ्तार से, विशेषकर सैलरी के मामले में आगे बढ़कर आ रहा है, यह न तो दिल्ली है, न मुंबई, यह अहमदाबाद है। इसकी हाल के सालों में सैलरी ग्रोथ, दूसरे मेट्रो सिटीज के मुकाबले 20 से 25 फीसदी ज्यादा रही है। हालांकि सर्वे से निकला डाटा कोई तथ्य नहीं होता, जिसके आधार पर माना जाए कि यह बात सौ फीसदी सही है। यह भी एक अनुमान ही है, क्योंकि जहां दूसरे कई डाटा बेंगलुरु को सैलरी के लिहाज से देश का टॉप शहर बता रहे हैं, वहीं इनडीड यह तमगा चेन्नई को दे रहा है।

इसलिए बेंगलुरु है सबसे आगे: बेंगलुरु इस समय ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) हब बन चुका है। भारत के 40 फीसदी से ज्यादा जीसीसी बेंगलुरु में ही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, गोल्डमैन सैक्स जैसी 250 से ज्यादा बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अपने मुख्य कार्यकारी दफ्तरों के साथ बेंगलुरु में मौजूद हैं। यही नहीं ये तमाम कंपनियां अपना आरएंडडी (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) सेंटर भी यही चलाती हैं। यहीं से नए उत्पादों और नवाचारों को बाजार में उतारती हैं। इसी तरह बेंगलुरु इस समय देश का स्टार्टअप और डीप टेक इकोसिस्टम का भी हब है। 44 फीसदी भारतीय यूनिकॉर्न बेंगलुरु में ही स्थित हैं या यहीं से निकले हैं। एआई, सेमिकंडक्टर और एयरोस्पेस केंद्रित स्टार्टअप बेंगलुरु में ही हैं और इन्हीं की बदौलत यह शहर वेतन प्रतिस्पर्धा में देश के दूसरे महानगरों के मुकाबले बहुत ऊपर है। बेंगलुरु में टैलेंट क्लस्टर बन चुका है, साथ ही यहां एक नई तरह की टैलेंट ओरिएंटेड जीवनशैली विकसित हो रही है। इस शहर में 20 लाख से ज्यादा आईटी पेशेवर कार्यरत हैं तथा ये दुनिया के गिने चुने उन शहरों में से एक बन चुका है, जो विश्व स्तरीय को-वर्किंग स्पेस मुहैय्या कराते हैं।

हैदराबाद भी है मुकाबले में: हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत पीछे नहीं है। पिछले कुछ सालों में हैदराबाद ने फिर से तेज छलांग लगाई है और विभिन्न सर्वेक्षणों में भले वह अभी बेंगलुरु से थोड़ा नीचे हो, लेकिन माना जाता है कि अगले दो सालों में यानी 2027 तक हैदराबाद नौकरियां उपलब्ध कराने के मामले में बेंगलुरु को भी पीछे छोड़ सकता है। सिर्फ नौकरियां ही हैदराबाद में ज्यादा नहीं पैदा होंगी बल्कि आने वाले दिनों में अनुमान है कि यहां वेतन वृद्धि भी देश के दूसरे शहरों में सबसे ज्यादा होगी। हैदराबाद में वेतन वृद्धि का सबसे तेज रिकॉर्ड पहले रह चुका है और फिर से यह उसी दिशा में आगे बढ़ता लग रहा है। *

हाल के वर्षों में अंजान लोगों से मिलने, दोस्ती या लव रिलेशन बनाने में डेटिंग एप्स का यंगस्टर्स खूब यूज कर रहे हैं। इनकी पॉपुलैरिटी बढ़ने की वजह, इनके पॉजिटिव-नेगेटिव आस्पेक्ट्स के बारे में जानिए।

डेटिंग एप्स मिलने-मिलाने के नए ठिकाने

{ टेक्नोलाइफ/ लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में मॉडर्न डेटिंग एप्स, संबंधों की दुनिया में अहम असर डाल रहे हैं। इस 21वीं सदी के दूसरे दशक में दुनिया में रिश्तों के निर्माण की प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन आया है। प्रेम पत्रों, पारिवारिक मेल-मिलापों और सामाजिक मेलों की जगह अब मोबाइल स्क्रीन और तरह-तरह के एप्स ने ले ली है। टिंडर, बंबल, हिंज, ओके कुपिड जैसे मॉडर्न डेटिंग एप्स ने आज रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। ये तकनीकी बदलाव सिर्फ अमेरिका या यूरोप तक ही सीमित नहीं हैं, भारत भी पूरी तरह से इनकी चपेट में है, जहां सदियों पुरानी सांस्कृतिक विविधता और जीवन जीने की मजबूत व्यवस्था रही है। लेकिन आज डेटिंग एप्स ने रिश्तों की पारंपरिक दुनिया को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है।

जुड़े हैं करोड़ों यंगस्टर्स: आज दुनिया भर में लगभग 37 करोड़ लोग, जिनमें सबसे बड़ी तादाद युवाओं की है, विभिन्न तरह के डेटिंग एप्स से जुड़े हुए हैं। डेटिंग एप्स का किस कदर चलन बढ़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि आज अमेरिका में 30 फीसदी वयस्क लोग किसी न किसी डेटिंग एप का हिस्सा हैं। इन एप्स की शुरुआत तो दो अजनबियों के बीच प्रेम संबंध विकसित कराने के लिए एक मध्यस्थ के रूप में हुई थी, लेकिन आज तरह-तरह के डेटिंग एप्स दोस्ती, कैजुअल मीटिंग, विवाह के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

सबसे पॉपुलर डेटिंग एप्स: दुनियाभर में जिस डेटिंग एप की धूम है, उसका नाम टिंडर है। सौ से ज्यादा देशों में सक्रिय इस एप के अप्रैल 2025 तक साढ़े सात करोड़ रजिस्ट्रर्ड उपयोगकर्ता थे। दूसरे नंबर पर बंबल है, जो विशेष तौर पर महिलाओं को ध्यान में रखकर डेवलप किया गया है, क्योंकि इस एप में महिलाओं को रिश्ता आगे बढ़ाने के लिए पहला कदम रखने की आजादी है। यह एप किसी पुरुष को किसी महिला से संबंध जोड़ने के लिए निर्णय लेने की आजादी नहीं देता। इस एप में सिर्फ महिलाएं ही किसी के साथ को स्वीकार कर सकती हैं या उसे अस्वीकार कर सकती हैं। एक तीसरा पॉपुलर एप हिंज है, जो टेकलाइन के साथ गंभीर रिश्ते विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा और लाखों सब्सक्राइबर की क्षमता रखने वाले एप्स हैं, उनमें- ओके कुपिड, ग्रिंडर और प्लेंटी ऑफ फिश डेटिंग एप्स हैं। ये सारे रिश्ते बनाने वाले एप्स अलग-अलग उम्र समूह को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

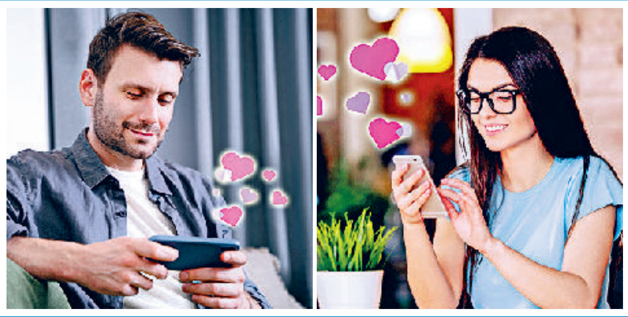

इसलिए बढ़ रही पॉपुलैरिटी: डेटिंग एप्स की लोकप्रियता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि इनमें सुरक्षा और गोपनीयता की पुख्ता व्यवस्था होती है। इनमें एक एल्गोरिद्म की गुणवत्ता होती है, चाहे मैचिंग सही हो या न सही हो। लेकिन आमतौर पर एक ही एल्गोरिद्म के लोग इनके जरिए आपस में मिलते हैं। इनकी लोकप्रियता का एक और बड़ा कारण यह है कि इन्हें रीजनल या स्थानीय भाषाओं का सपोर्ट सिस्टम भी हासिल है और सबसे बड़ी बात, इनमें एक खास किस्म का यूजर इंटरफेस होता है, जो इसको वास्तविक माहौल का आभास देता है।

पड़ रहा है रिश्तों पर असर: इन मॉडर्न एप्स का हमारे जीवन और रिश्तों की संवदेनशीलता पर भी असर पड़ा है। निश्चित रूप से इनके चलते अब दो युवा लोगों को आपस में मिलना आसान और सुरक्षित हो गया है। पहले कुछ गिने-चुने सौभाग्यशाली लोग ही होते थे, जिनके जीवन में प्यार, मोहब्बत की जगह होती थी। लेकिन इन डेटिंग एप्स के चलते अब कोई भी अपने अनुकूल दोस्ती के लिए साथी की तलाश कर सकता है।

नेगेटिव पहलू भी हैं मौजूद: हालांकि इन एप्स में सब कुछ अच्छा अच्छा ही नहीं है। इनके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। मसलन एप्स की दोस्ती या प्रेम में कमिटमेंट जैसी कोई चीज नहीं होती। बड़ी तादाद में लोग अपनी झूठी और नकली प्रोफाइल बनाकर एक-दूसरे से संपर्क साधते हैं और इस तरह कई तरह के अपराधों को अंजाम देते हैं। *

{ छोटी कहानी
गोविंद भारद्वाज }

कई वर्ष बाद गोपाल अपने गांव लौटा था। वहां उसकी मुलाकात अपने बचपन के दोस्त रामू से हुई। उसका कटा हाथ देखकर गोपाल को बहुत दुख हुआ। लेकिन रामू को अपने दुख से ज्यादा आत्मग्लानि महसूस हुई।

दिव्यांग

बरसों बाद गांव जाने का मौका मिला। तांगा स्टैंड अब टैंपो स्टैंड में बदल चुका था। टैंपो से उतरते ही अपने नाम की आवाज कानों में पड़ी, 'गोपाल...!' मैंने पलट कर देखा। सामने एक चाय की गुमटी थी, जो धुएं में बिल्कुल काली दिखाई दे रही थी। मैंने टैंपो वाले को बीस का नोट दिया और उस दुकान की तरफ बढ़ गया। 'आ भई...आ.. बहुत दिनों बाद गांव की याद आई तुझे।' उसने मुझे दुकान के अंदर बुलाते हुए कहा। मैंने उससे हाथ मिलाने के लिए अपना दायां हाथ आगे बढ़ाया। उसने हाथ तो अपना बढ़ाया, लेकिन दायां नहीं बायां। मेरी नजर उसके दाएं कंधे की ओर गई। मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। 'यह क्या हुआ रामू?' मेरे मुंह से निकला। 'भाई गोपाल, मुझे माफ कर दे...।' रामू की आंखें नम हो आईं। 'किस बात की माफी भाई...?' मैंने उसके बाएं हाथ को पकड़ते हुए पूछा। 'दोस्त, तू मुझे जी भर कर लूला (हाथ से दिव्यांग) कह सकता है...।' वह रुआंसा हो गया। मैं समझ गया था, वह क्या कहना चाह रहा है? मैं अतीत में चला गया। बात उन दिनों की है, जब मैं गांव में रहा करता था। मेरी मित्र मंडली में यूं तो बहुत से दोस्त थे। सबके सब मुझे प्यार से गोपाल कह कर बुलाते थे, लेकिन रामू एक ऐसा दोस्त था, जो मुझे लंगड़ा (पैर से दिव्यांग) कह कर बुलाता था। दरअसल, मैं

जब छह महीने का था, तब मेरे बाएं कूल्हे पर एक फोड़ा हो गया था, जो बाद में नासूर बन गया था। उसी के चलते मेरा बायां पैर खराब हो गया। मैं हमेशा के लिए दिव्यांगता की श्रेणी में आ गया।

गांव से चार किलोमीटर दूर दूसरे गांव में सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल था। वहां हम सब दोस्त मिलकर नौवीं-दसवीं कक्षा में पढ़ते थे। तब रामू सबके सामने मुझे लंगड़ा कह कर ही पुकारता था। अन्य दोस्त उसको खूब समझाते कि गोपाल को 'लंगड़ा' मत बुलाया कर, लेकिन वह था कि मानता नहीं था। स्कूल के शिक्षक भी उसे इस बात के लिए डांटते, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता।

एक दिन तो तब हद हो गई, जब उसने प्रिंसिपल साहब के सामने ही मुझे लंगड़ा कह दिया। उन्हें उसकी यह बात बहुत बुरी लगी, उन्होंने उसे पीटा भी। प्रिंसिपल साहब की पिटाई से तो वह और ज्यादा खफा हो गया। अब वह मुझे जब देखो तब लंगड़ा-लंगड़ा कहकर चिढ़ाने लगा। मेरी भी आदत सी हो गई थी, लंगड़ा सुनने की। मैं कभी नहीं चिढ़ता था। लेकिन दूसरों को उसका लंगड़ा कहकर बुलाना अच्छा नहीं लगता था। दसवीं पास करने के बाद मैं आगे की पढ़ाई के लिए शहर चला आया। एमए अंतिम वर्ष के इम्तिहान खत्म हो चुके थे। इसलिए मैंने सोचा क्यों न गांव जाकर पुराने मित्रों से मिला जाए।

'क्या हुआ कहां खो गया गोपाल ...?' रामू ने मेरे हाथ को झटका देते हुए पूछा। 'कुछ नहीं यार, मैं अपने बचपन में खो गया था। खैर बता तेरे दांए हाथ को क्या हुआ?' मैंने पास में पड़े स्टूल पर बैठते हुए पूछा। 'मत पूछ... जैसी करनी वैसी भरनी...। मैंने तुझे कभी तेरे नाम से नहीं बुलाया... तुझे लंगड़ा ही कहा। अब तू मुझे लूला कह सकता है।' उसने भर्राई आवाज में कहा।

'छोड़ यार पुरानी बातों को...तू मेरे लिए रामू है... और रामू ही रहेगा... पर तुमने बताया नहीं यह सब कैसे हुआ?' मैंने पूछा।

रामू चाय का कप मेरे हाथ में थमाते हुए बोला, 'दसवीं की परीक्षा पास करने के बाद मैं अपने पिताजी के साथ खेती करने लगा। दो साल पहले गेहूं निकालने के लिए खेत में थ्रेसर (अनाज निकालने की मशीन) लगा हुआ था। देर रात तक थ्रेसर पर खड़े रहने की वजह से नींद की झपकी आ गई। मेरा दायां हाथ मशीन में आ गया। जब मुझे होश आया तब मैं अस्पताल में भर्ती था। मेरा दायां हाथ कट चुका था।' 'फिर यह दुकान?' मैंने पूछा।

'दुर्घटना के लगभग एक साल बाद पिताजी ने मेरी छोटी-सी दुकान खुलवा दी। बस यहीं से थोड़ा बहुत कमाकर अपना गुजारा कर लेता हूं ... तू बता क्या कर रहा है आजकल?' उसने अपनी बात खत्म करते ही पूछा। मैंने बताया, 'एमए का इम्तिहान दिया है। आगे प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने की सोच रहा हूं। मेरा लक्ष्य यही है आईएएस बनूं।' मैं उठ कर चलने लगा तो रामू मेरे गले लग गया, बोला, 'गोपाल, अपने दोस्त को माफ तो कर दिया ना...।' मैंने मुस्कुराते हुए कहा, 'रामू मैं तेरे लिए तो अभी भी लंगड़ा ही हूं... तेरे मुंह से गोपाल अच्छा नहीं लगता।' *

प्रेमचंद की धरोहर कहानियां

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आगामी 31 जुलाई को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती मनाई जाएगी। उनके जाने के लगभग नौ दशक गुजर जाने के बाद आज भी उनका कथा साहित्य अगर प्रासंगिक बना हुआ है तो ऐसा उनकी गहन दृष्टि और सामाजिक-राष्ट्रीय सरोकार से प्रतिबद्धता के कारण ही संभव हुआ है। हाल में प्रकाशित होकर आईं ख्यात आलोचक-संपादक पल्लव के संपादन में दो पुस्तकें 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' और 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' इस बात को और प्रमाणित करती हैं। 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' पुस्तक में संकलित 15 कहानियां आजादी से पहले के भारतीय समाज में धंसी हुई जातिगत मानसिकता को न केवल उजागर करती हैं, बल्कि उस दौर की सामाजिक कुरूपता को भी कठघरे में खड़ा करती हैं। 'सद्गति, ठाकुर का कुआं, कफन, जुरमाना, मंदिर' और 'दूध का दाम' जैसी कहानियां उस काल के सामाजिक विद्रूप को अनावृत करने के साथ आज भी याद आ जाती हैं, जब इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने के बाद भी जाति आधारित भेदभाव से उपजी घटनाएं हमारे समाज में घटित होती हैं।

दूसरी पुस्तक 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' में सोलह ऐसी कहानियां चयनित की गई हैं, जिनमें स्वाधीनता से पहले के भारतीय जनमानस में व्याप्त आजाद होने की आकुलता नजर आती है। इस पुस्तक में संकलित 'सुहाग की साड़ी, जुलूस, बौड़म' और 'शतरंज के खिलाड़ी' आदि कहानियां इस बात को प्रमाणित करती हैं कि पराधीन भारत के आमजन में आजाद होने की कैसी उत्कंठा थी। महात्मा गांधी के सत्याग्रह और अहिंसक आंदोलन के प्रति प्रेमचंद के मन में कितनी निष्ठा थी, इस बात को भी ये कहानियां प्रमाणित करती हैं। ये दोनों पुस्तकें शोधार्थियों के लिए तो उपयोगी होंगी ही, प्रेमचंद के वैचारिक वैशिष्ट्य और सरोकारों को भी समझने में सहायक सिद्ध होंगी। *

पुस्तकें: प्रेमचंद की दलित कथाएं और प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं, **संपादक:** पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए (प्रत्येक), **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

अमेरिकन रेन डांस

बन बंग फाई, थाइलैंड

वर्षा के लिए प्रार्थना करते तिब्बती बौद्ध भिक्षु

वोडू वर्षा नृत्य, हैती

इन दिनों अपने देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून सक्रिय है, खूब बारिश हो रही है। लेकिन कई बार समय पर बारिश नहीं होती है। देश, दुनिया के कई हिस्सों में बारिश न होने पर उसके आह्वान को लेकर कई परंपराएं प्रचलित हैं। यहां बता रहे हैं कुछ ऐसी ही अजब-अनूठी परंपराओं के बारे में।

बहुत अजब-अनोखी हैं दुनिया में बारिश के आह्वान की रस्में

ट्रेडिशंस
शिखर चंद जैन

एक तरफ जहां अतिवृष्टि वाले क्षेत्रों में लोग भगवान से बारिश रोकने की प्रार्थना करते हैं, वहीं बारिश की कमी वाले दुनिया के कई देशों में लोग बारिश के लिए बादलों, देवताओं और ईश्वरीय शक्तियों का आह्वान करते हैं। इसके लिए तरह-तरह की धार्मिक रीतियों का पालन करते हैं।

अमेरिकी जनजातियों का वर्षा नृत्य: अमेरिका के मैदानी हिस्सों में रहने वाली कई जनजातियों के लोग वर्षा नृत्य करते हैं। यह वर्षा के आह्वान का प्राचीन अनुष्ठान है। इस अनुष्ठान में पारंपरिक पोशाक और पंखों वाले मुकुट या टोपी पहन कर, हाथों में चील के पंख लिए, घंटों तक एक घेरे में गाना, ढोल बजाना और नृत्य करना शामिल है। ऐसा माना जाता है कि वर्षा नृत्य से वर्षा के देवता खुश होकर वर्षा करते हैं।

बन बंग फाई (रॉकेट महोत्सव): थाईलैंड के इसान रीजन और उत्तर-पूर्वी थाईलैंड के कुछ इलाकों में हर वर्ष जून महीने में यह अनोखा रॉकेट त्योहार खेती के मौसम से ठीक पहले मनाया जाता है। इस त्योहार के दौरान ग्रामीण लोग और भिक्षु, बांस या लोहे के पाइप से रॉकेट बनाने के लिए एकत्रित होते हैं। इस उत्सव में मंदिर या आस-पास के अन्य इलाकों के चारों ओर एक जुलूस निकाला जाता है, जिसके बाद लोग आकाश में रॉकेट छोड़ते हैं। यह क्रिया 'फ्राया थाएन' नामक देवता को अर्पित की जाती है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मौसम के अनुसार बारिश का होना सुनिश्चित करते हैं।

आदिवासी लोगों का मेंढक नृत्य: ऑस्ट्रेलिया देश के आदिवासी, हजारों सालों से मेंढक नृत्य करते आ रहे हैं। यह नृत्य शुष्क मौसम में किया जाता है, जब मेंढक शांत होते हैं। यह मेंढकों को जगाने और बारिश के आह्वान के लिए किया जाता है। इस नृत्य में मेंढकों की गतिविधियों की नकल करना, मेंढक जैसी आवाजें निकालना, शरीर पर रंग, जानवरों की खाल पहनना, भाले और बूमरैंग लेकर चलना शामिल होता है।

नांग मेव समारोह: थाईलैंड में ही बन बंग फाई के अलावा, थाई किसानों द्वारा देश के मध्य और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में वर्षा के आह्वान के लिए नांग मेव समारोह भी मनाया जाता है। जब बुवाई का मौसम आता है, तो किसान अपने गांवों या मंदिरों में नांग मेव (बिल्ली) की परेड निकालते हैं, इस उम्मीद में कि जब बारिश की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब बारिश हो। ऐसा माना जाता है कि बिल्लियां बारिश से डरती हैं और अगर इस समारोह के दौरान कोई बिल्ली रोती है, तो इसका मतलब माना जाता है कि बारिश होने वाली है।

नांग मेव समारोह, थाईलैंड

केबो-केबोआन: इंडोनेशिया में केबो-केबोआन पारंपरिक समारोह मनाया जाता है। यह पूर्वी जावा के अलियान और अलस्मलांग गांवों में बान्यूवांगी लोगों द्वारा सदियों से मनाया जाता रहा है। यह समारोह बारिश, अच्छी फसल और शुष्क मौसम में आपदाओं से सुरक्षा की प्रार्थना के लिए किया जाता है। ग्रामीणों का मानना है कि इस परंपरा का पालन ईश्वर की कृपा के प्रति उनकी कृतज्ञता का प्रतीक है और उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पूर्वजों की आत्माओं का आह्वान करता है। भैंसों को इस पारंपरिक समारोह का मुख्य प्रतीक माना जाता है क्योंकि वे किसानों की गतिविधियों और चावल के खेती से गहराई से जुड़े होते हैं। समारोह के दौरान, लोग भैंसों (केबो) की वेशभूषा धारण करते हैं और उनकी भूमिका निभाते हैं, क्योंकि इसमें कोई वास्तविक जानवर शामिल नहीं होता। समारोह की शुरुआत प्रार्थना और टुम्पेंग नामक व्यंजन खाने से होती है। टुम्पेंग, जीवन चक्र के प्रतीक माने जाने वाले, चावल के 12 शंकु के आकार के ढेरों से बना एक व्यंजन होता है।

भिक्षुओं द्वारा मंत्रोच्चार: जब भी सूखा पड़ता है या समय पर बारिश नहीं होती है तो तिब्बती भिक्षु, आकाश और जल के देवी-देवताओं से प्राचीन मंत्रों और प्रार्थनाओं का जाप शुरू कर देते हैं। भिक्षुओं का मानना है कि उनके जाप से वातावरण शुद्ध होता है और वर्षा के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनती हैं। यह जाप अकसर पर्वत शिखरों पर किया जाता है।

वोडू वर्षा नृत्य: हैती के लोगों में बारिश बुलाने का अनुष्ठान वोडू वर्षा नृत्य कहलाता है। यह सूखे के दौरान किया जाने वाला एक अनोखा नृत्य है। इसके जरिए कलाकार वोडू धर्म की पवित्र आत्माओं (लोआ) को बारिश के लिए आमंत्रित करते हैं। *

भारत में वर्षा संबंधी विभिन्न समारोह

वरुण यज्ञ अनुष्ठान: वरुण यज्ञ अनुष्ठान, वैदिक हिंदू वर्षा आह्वान अनुष्ठान है। यह आज भी भारत के कई हिस्सों में किया जाता है। यह अनुष्ठान सनातन धर्म में जल के देवता वरुण को समर्पित है। इसमें मंत्रोच्चार, अग्नि में आहुति देना और वर्षा हेतु प्रार्थनाएं शामिल होती हैं। यह अनुष्ठान आमतौर पर मानसून के मौसम में उन क्षेत्रों में किया जाता है, जहां बरसात की कमी होती है।

अभिषेकम अनुष्ठान: दक्षिण भारत के किसान विशेष रूप से यह वर्षा-आह्वान अनुष्ठान अपनी उपज बढ़ाने के लिए, वर्षा की प्रार्थना हेतु करते हैं। यह अनुष्ठान हिंदू धर्म में वर्षा के देवता, भगवान इंद्र को समर्पित है। इसमें उनकी मूर्ति पर जल और दूध चढ़ाया जाता है। इसका उद्देश्य वर्षा के देवताओं को प्रसन्न करना और वर्षा लाना है। यह आमतौर पर गर्मी के महीनों में किया जाता है, जब वर्षा कम होती है।

मेंढकों का विवाह: देश के कई हिस्सों, विशेष रूप से उत्तर, मध्य-पश्चिमी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ आदि के ग्रामीण और कई आदिवासी इलाकों में मान्यता है कि बारिश न होने पर अगर सामूहिक तौर पर मेंढक-मेंढकी का विवाह करवा दिया जाए तो बारिश होती है।

बढ़ती महंगाई के दौर में किसी एक नौकरी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय अगर आप पोर्टफोलियो करियर चॉइस अपनाते हैं, तो इससे आपके करियर ग्रोथ और इनकम के कई रास्ते खुल सकते हैं। पोर्टफोलियो करियर, इसके ऑप्शंस और बेनिफिट्स के बारे में जानिए।

आज के दौर की जरूरत है पोर्टफोलियो करियर

प्रोफेशनल लाइफ / अंजू जैन

एक जमाना था जब लोग बड़े गर्व से बताते थे कि उन्होंने किसी एक ही बिजनेस फर्म या बड़ी कंपनी में नौकरी शुरू की और 35-40 साल तक काम करके वहीं से रिटायर हो गए। वो दौर पिछली सदी का था। तब किसी कंपनी में आप समर्पण, मेहनत और ईमानदारी से काम करते थे तो आपको नौकरी खोने का इतना डर नहीं होता था। लेकिन अब बहुत कुछ बदल चुका है। कंपनियां जब ले ऑफ करती हैं तो कोई भी उसकी चपेट में आ सकता है। एंप्लॉई भी जहां ज्यादा सैलरी या अच्छा पैकेज देखता है, वहीं चला जाता है। दिनों-दिन बढ़ती कॉस्ट ऑफ लिविंग, शिक्षा और चिकित्सा पर बढ़ा हुआ खर्च आदि को देखते हुए एक जॉब पर पूरी तरह निर्भर रहना ना तो सुरक्षित है, ना बुद्धिमानी। आय के एक से ज्यादा स्रोत रखना और अपनी मल्टीपल प्रोफेशनल आइडेंटिटी रखना आज के वक्त की जरूरत है। इसलिए आपको भी पोर्टफोलियो करियर माइंडसेट के बारे में सोचना चाहिए।

पोर्टफोलियो करियर क्या है: पोर्टफोलियो करियर यानी एक व्यक्ति द्वारा अपनी स्किल्स का प्रयोग करते हुए आय के कई स्रोतों की व्यवस्था करना। इसके अंतर्गत एक फुल टाइम जॉब के साथ-साथ या फिर बिना फुल टाइम जॉब के अलग-अलग कई काम किए जाते हैं। पोर्टफोलियो करियर में साइड हसल, एकाधिक पार्ट टाइम जॉब्स, साइड बिजनेस या फ्रीलांसिंग शामिल हैं। उदाहरण के लिए एक नौकरीशुदा ग्राफिक डिजाइनर एक से अधिक व्यवसाइयों के लिए लोगो बना सकता है। एक अकाउंटेंट पूर्णकालिक रूप से एक फर्म में काम कर सकता है, साथ ही अपनी प्राइवेट प्रैक्टिस भी कर सकता है।

पोर्टफोलियो करियर के फायदे: पोर्टफोलियो करियर के कई फायदे होते हैं।

बैलेंस्ड पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ: पोर्टफोलियो करियर अपनाने वाले लोग अपनी सुविधानुसार टाइम टेबल और अपनी पसंद का काम चुन सकते हैं। इसमें अकसर घर से काम करने की छूट होती है, जिससे विभिन्न गतिविधियों, पारिवारिक जिम्मेदारियों या अन्य कामों के लिए आपको समय मिल जाता है। इससे आपको बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस प्राप्त करने में मदद मिलती है।

एक्सट्रा इनकम: पोर्टफोलियो करियर के साथ आप कई सोर्सेज से इनकम प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में अगर आपको अचानक नौकरी से निकाल दिया जाता है, तब भी आपका सोर्स ऑफ इनकम बंद नहीं होगा।

नो बाउंडेशन: पोर्टफोलियो करियर के साथ आपको किसी खास तरह की नौकरी के बंधन में नहीं रहना पड़ता। आप अपनी रुचियों को समय देने और उन्हें पोषित करने वाले किसी करियर को परख और चुन सकते हैं। पोर्टफोलियो करियर आपको किसी भी चीज के लिए प्रतिबद्ध हुए बिना विभिन्न अनुभव प्राप्त करने का अवसर देता है।

पोर्टफोलियो करियर शुरू करें ऐसे: अपना पोर्टफोलियो करियर आप कुछ इस तरह शुरू कर सकते हैं।

प्रॉपर प्लानिंग बनाएं: अगर आप अपना पोर्टफोलियो करियर शुरू करने का फैसला करते हैं तो इसकी प्रॉपर प्लानिंग बनाएं और उस पर अमल करें। आप रेग्युलर करियर के साथ-साथ पोर्टफोलियो करियर भी अपना सकते हैं या फिर सिर्फ पोर्टफोलियो करियर भी अपना सकते हैं।

अपनी स्किल्स को समझें: इसके लिए अपनी क्रिएटिविटी, स्किल्स और इंट्रेस्ट पर विचार करें ताकि आप यह निर्धारित कर सकें कि आप किस तरह के काम से इनकम के लिए इनका उपयोग करना चाहते हैं। इसके बाद ही उस दिशा में अपने कदम बढ़ाएं। इससे सफल होने के चांसेज काफी बढ़ जाएंगे।

लोगों के साथ नेटवर्क बनाएं: अपने पोर्टफोलियो करियर को विकसित करने के लिए आप अपने पुराने सहकर्मियों, सहपाठियों, दोस्तों और ग्राहकों के साथ फिर से जुड़ें। उन्हें अपने काम के बारे में बताएं। संभव है कि वे आपके लिए उपयुक्त अवसरों के बारे में बता सकें। वे आपको सलाह, संपर्क, सहायता या यहां तक कि काम भी दे सकते हैं। *

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक गंगा को भारतीय संस्कृति में पूज्य एवं जीवनदायिनी माना जाता है। इसका केवल धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी बहुत अधिक है। भारतभूमि की जीवनधारा गंगा के प्रवाह और महत्ता पर एक दृष्टि।

सभ्यता-संस्कृति की वाहक पुण्यसलिला-जीवनदायिनी गंगा

नदी गाथा
वीना गौतम

नदियों के किनारे ही संसार की सभी सभ्यताएं, संस्कृतियां विकसित हुई हैं, फली-फूली हैं। धरती पर नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और नदियों के प्रति लोगों की उदासीनता के कारण धरती पर जल संकट तो गहराया ही है, अब तो नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। नदियों का न केवल संरक्षण जरूरी है बल्कि हमें अपनी नई पीढ़ी को इनके प्रति संवेदनशील भी बनाना जरूरी है ताकि इनका अस्तित्व बचा रहे और धरती में इंसानी सभ्यता और संस्कृति भी हमेशा की तरह फूलती-फलती रहे।

भारतीय सभ्यता-संस्कृति की पहचान: गंगा भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदी ही नहीं है। यह भारतीयता की पहचान और देश की जीवनरेखा भी मानी जाती है। भारतीय जनमानस में इस नदी के प्रति असीम श्रद्धा है। यह न केवल हमें जल प्रदान करती है बल्कि आस्था, सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव की भी वाहक है। देश की सबसे महत्वपूर्ण और पूज्यनीय नदी गंगा को भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। इसीलिए कहा जाता है कि गंगा में सिर्फ पानी नहीं, एक समूची सभ्यता प्रवाहमान है।

गंगा नदी का प्रवाह तंत्र: गंगा नदी की उत्पत्ति हिमालय के गोमुख हिम नदी से होती है, जहां इसे भागीरथी कहा जाता है। प्रवाह के क्रम में अलकनंदा, जब इस भागीरथी में आ मिलती है, तो उसके बाद से इन दोनों नदियों का संगम गंगा कहलाने लगता है। गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है। इसकी लंबाई 2525 किलोमीटर है। गंगा के बेसिन में भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 26 प्रतिशत से ज्यादा भाग आता है। गंगा जिन अपनी सहायक नदियों के चलते देश की सबसे महान नदी बनती है, उन सहायक नदियों में यमुना, घाघरा, गंडक, कोसी और सोन नदी प्रमुख हैं। गंगा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से होकर बहती है तथा अंत में बांग्लादेश में प्रवेश कर पद्मा के रूप में बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है।

बसे हैं कई तीर्थस्थल: गंगा नदी देश के अनेक महत्वपूर्ण शहरों से होकर बहती है। साथ ही यह देश के कई पवित्र तीर्थस्थलों की पुण्य सलिला भी है। गंगा नदी के किनारे ही हरिद्वार, ऋषिकेश, वाराणसी, प्रयागराज और गंगा सागर जैसे पवित्र तीर्थस्थल हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भारतीय सभ्यता के आधार हैं।

एक जीवंत भौगोलिक संसाधन: भौगोलिक दृष्टि से गंगा बहुत ही महत्वपूर्ण नदी है। गंगा घाटी का क्षेत्र भारत की सबसे उपजाऊ कृषि भूमि के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में गंगा के जल से सिंचाई, जल परिवहन और पेय जल की लगभग समूची व्यवस्था बनती है, जो इसे एक जीवंत भौगोलिक संसाधन के रूप में बदलती है। गंगा घाटी क्षेत्र में बसने वालों के लिए गंगा सिर्फ एक नदी नहीं बल्कि जीवनधारा है।

धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व: हिंदू धर्म में गंगा को केवल नदी या जलधारा नहीं माना जाता, बल्कि इसे माता, देवी और मोक्षदायिनी का दर्जा प्राप्त है। गंगा के जल को अमृत के तुल्य माना जाता है। इसलिए भारत के हर धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान में गंगा जल का इस्तेमाल होता है। यही नहीं, मोक्ष की कामना रखने वाले हर धार्मिक हिंदू की यह ख्वाहिश होती है कि उसकी मृत्यु के पश्चात उसके मुंह में गंगा जल की कुछ बूंदें डाली जाएं और उसकी चिता की राख को गंगा नदी में प्रवाहित किया जाए। आरंभ से लेकर आज तक गंगा भारतीय मानस में आस्था एवं श्रद्धा के रूप में प्रवाहित हो रही है। गंगा का उल्लेख वैदिक ग्रंथों से लेकर भारतीय साहित्य, कला, संगीत और लोककथाओं में व्यापक रूप से मिलता है। गंगा का उल्लेख हमारे राष्ट्रगान में भी मिलता है।

गंगा का आर्थिक महत्व: भारत का लगभग 40 फीसदी हिस्सा गंगा के बेसिन क्षेत्र में बसता है और यह क्षेत्र देश के कृषि, उद्योग और व्यापार की दृष्टि से सबसे समृद्ध है। गंगा का जल उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल तथा झारखंड के एक बड़े हिस्से में सिंचाई का सबसे बड़ा स्रोत है। गंगा, यमुना के दोआब की भूमि गेहूं, गन्ना और दलहन की खेती के लिए मशहूर है। हरित क्रांति की सबसे बड़ी प्रयोग भूमि यही गंगा का मैदान था।

गंगा के किनारे कोलकाता, कानपुर, भागलपुर, वाराणसी और पटना जैसे देश के कई औद्योगिक नगर बसे हैं। चमड़ा, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, बिजली संयंत्र, कागज उद्योग जैसे कई औद्योगिक संयंत्र स्थापित हैं। हाल के दशकों में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 परियोजना के तहत हल्दिया से वाराणसी तक जल परिवहन को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे गंगा सस्ते और एक पर्यावरण अनुकूल जल परिवहन का भी आधार बन गई है।

चुनौतियां हैं कई: गंगा के समक्ष आज अनेक चुनौतियां भी हैं, जिन्हें दूर किया जाना आवश्यक है। दरअसल, गंगा के जल पर दुनिया में सबसे ज्यादा जनसांख्यिकी दबाव है। जितने लोग गंगा नदी पर आश्रित हैं, उतने लोग दुनिया में किसी और नदी पर अपने जीवनयापन और सभी तरह की पहचान के लिए आश्रित नहीं हैं। इसलिए गंगा पर अतिरिक्त जन दबाव, औद्योगिक प्रदूषण, अपशिष्ट जल के साथ-साथ धार्मिक कर्मकांडों एवं प्रदूषण की भी मार है। गंगा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। नमामि गंगे मिशन जैसी योजना चलाई जा रही है। अनेक जलशुद्धि संयंत्रों की स्थापना की गई है। *

हिंदी फिल्में नायक, नायिका और खलनायकों के बॉलीवुड में अपने पैर जमाने में मदद करती रही हैं, एक बड़ी पहचान दी है। इसके साथ इनके पैरों का फिल्मों में बहुत ही करिश्माई अंदाज में फिल्मांकन हुआ, जिसने सस्पेंस, रोमांच, एक्शन, रोमांस क्रिएट करके फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में इंपॉर्टेंट रोल अदा किया है। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

पर्दे पर पैरों का करिश्मा

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी सिनेमा की शुरुआत से लेकर आज तक कई सितारों ने अपनी काबिलियत के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपने पैर जमाए। कई बार तो नायक-नायिकाओं के पैरों के फिल्मांकन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके पैर जमाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

फिल्म में हीरो से पहले उसके पैरों की एंट्री: फिल्म 'फूल और पत्थर' में नायक धर्मेंद्र की एंट्री छोटे-छोटे पैरों से सड़क पर चढ़ते हुए और बड़े पैरों से सड़क से उतरते हुए थी, जिसे बहुत पसंद किया गया। इसके बाद तो कई फिल्मों में पैरों का शॉट दिखाकर नायक को बच्चे से बड़ा दिखाने के प्रयोग किए गए।

पैरों ने क्रिएट किया सस्पेंस-एक्शन: देव आनंद की 'ज्वेल थीफ' में भी पांव को लेकर सस्पेंस दिखाया गया। नायिका कहती है कि नायक के पैरों में छह अंगुलियां हैं, वह पैर दिखाए। लेकिन वह टालमटोल करता है, जिससे सस्पेंस बढ़ता जाता है। बाद में नायक जिस अंदाज से मौजे उतारता है, वह दृश्य देखने लायक होता है। फिल्म 'शोले' में हाथ कटे ठाकुर (संजीव कुमार) की असमर्थता तब शौर्य में बदल जाती है, जब फिल्म के क्लाइमेक्स में वह अपने पैरों में पहने कील लगे जूतों से गब्बर सिंह (अमजद खान) को मारता है। ठाकुर के पैर की हर ठोकर पर सिनेमा हॉल तालियों और सीटियों से गूंज उठता। 'शोले' में ही गब्बर सिंह को भी चट्टान पर बेल्ट लेकर घूमते दिखाया गया, तब कैमरा उसके पैरों पर ही फोकस होता है।

'शोले' में अमजद खान के साथ संजीव कुमार

'उपकार' में मलंग के किरदार में प्राण

शम्मी कपूर की फिल्म 'चायना टाउन' में नायक के हमशक्ल के पैरों का आकार छोटा होने से कहानी में मोड़ आता है, तो सलीम जावेद ने 'यादों की बारात' में एक नया प्रयोग किया। इसमें खलनायक अजीत के दोनों पैरों के आकार में अंतर होता है। वह एक पैर में 9 नंबर और दूसरे पैर में 10 नंबर का जूता पहनता है। फिल्म के क्लाइमेक्स में जब टेबल पर अजीत के दोनों जूते दिखाए जाते हैं, तो फिल्म के नायक धर्मेंद्र उसे पहचान लेते हैं। इसके साथ ही फिल्म का रोमांच चरम सीमा पर पहुंच जाता है।

नायिकाओं के हसीन पैर: हिंदी फिल्मों में नायिका के हसीन पैरों पर भी कई आइकॉनिक दृश्य और गीत फिल्माए गए। फिल्म 'पाकीजा' में मीना कुमारी के पैरों की खूबसूरती ने खूब करिश्मा किया। बिना चेहरा देखे, रेल की सीट पर मीना कुमारी के पैर देखकर राजकुमार एक चिट्ठी छोड़ जाते हैं, जिस पर लिखा होता है 'आपके पांव देखे, बहुत हसीन हैं, इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा, मैले हो जाएंगे।'

याद कीजिए फिल्म 'शोले' का वो डायलॉग जिसमें गब्बर सिंह बसंती से कहता है 'जब तक तेरे पैर चलेंगे, उसकी सांस चलेगी। जब तेरे पैर रुके, तो ये बंदूक चलेगी।'

फिल्म 'मिस मेरी' में बचपन में बिछड़ी नायिका के पैरों की छह अंगुलियां, उसे अपने परिवार से मिलाती है तो 'नाचे मयूरी' में सुधा चंद्रन के नकली पैरों से नर्तकी बनने की कहानी कही गई।

जब नायिकाओं के पैरों की बात आती है, तो जाहिर है वह सुंदर तो होंगे ही। 'मेरे पांव में मेहंदी लगी है', 'आजकल पांव जमीं पर नहीं पड़ते मेरे', 'पांव छू लेने दो फूलों को इनायत होगी', जैसे कितने ही मधुर और सदाबहार गीत नायिका के पैर को ध्यान में रखकर रचे गए।

पैरों से उभारी गई संवेदना: कई फिल्मों में नायक के पैरों को कुछ इस तरह प्रस्तुत किया गया, जिससे रोमांच के साथ-साथ संवेदना भी जगती है। मिसाल के तौर पर राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' को देखा जा सकता है। एक पैर से दिव्यांग और आंख की रोशनी खो चुके व्यक्ति की दोस्ती पर आधारित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लंबी दौड़ लगाते हुए उस समय की कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया था। फिल्मों में गरीबी और मजबूरी दिखाने के लिए भी निर्माताओं ने कभी नायक को, कभी नायिका को तो कभी सहनायिका या सहनायक को पैरों से दिव्यांग बनाने का फार्मूला आजमाया। 'उपकार' का मलंग, 'हीर रांझा' का एक पैर से अशक्त मामा, 'सच्चा झूठा' और 'मजबूर' की पैरों से दिव्यांग बहन ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इसी तरह फिल्म 'शान' में चलने में अक्षम अब्दुल (मजहर खान) का मुखबिर का किरदार भी काफी लोकप्रिय हुआ था। *

राजकुमार के पैर और सफेद जूते

याद कीजिए फिल्मों के वे सीन, जिनमें पर्दे पर हीरो से पहले उसके सफेद जूते दिखाए जाते थे और दर्शक जान जाते थे कि अब सीन में किसकी एंट्री होने वाली है। 'हमराज' और 'वक्त' में राजकुमार की जानदार एंट्री तो आपको याद ही होगी। इन फिल्मों में जैसे ही परदे पर राजकुमार के सफेद जूते दिखाई देते, दर्शक तालियों से उनका स्वागत करते। राजकुमार खुद इस तथ्य से वाकिफ थे, वे अकसर बी.आर. चोपड़ा से मजाक में कहा करते थे, 'जानी, सुना है आजकल आप हमारे जूतों की कमाई खा रहे हैं।'